Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 221 | शुक्रवार, 21 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

परिसीमन से लेकर कावेरी तक: दक्षिण की बड़ी चिंताओं पर अमित शाह की बैठक में निकला समाधान का रास्ता!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

चेन्नइ। ऐसे समय में, जबकि दक्षिणी राज्यों के मन में लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं उठ रही हैं और अंतरराज्यीय जल बंटवारे को लेकर भी विवाद लगातार उभर रहे हैं, तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में सभी पक्षों को एक मंच पर लाकर संवाद का रास्ता खोल दिया। देखा जाये तो चेन्नई के निकट मामल्लापुरम में हुई परिषद की 31वीं बैठक केवल औपचारिक सरकारी बैठक नहीं रही, बल्कि इसमें दक्षिण भारत की राजनीतिक आवाज, आर्थिक अधिकार, जल विवाद, बुनियादी ढांचे और साझा विकास की बड़ी तस्वीर एक साथ उभरकर सामने आई।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने सबसे प्रमुख राजनीतिक मुद्दा परिसीमन का रहा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने साफ कहा कि जनसंख्या नियंत्रण में दक्षिणी राज्यों की सफलता उनकी राजनीतिक आवाज कमजोर करने का आधार नहीं बन सकती। उन्होंने परिषद से ऐसा प्रस्ताव पारित करने की मांग की, जिसमें केंद्र से 1971 की जनगणना को परिसीमन का आधार बनाए रखने, अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बरकरार रखने और इन्हीं सीटों के भीतर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने का आग्रह किया जाए। उनका तर्क था कि प्रतिनिधित्व केवल सीटों की संख्या नहीं, बल्कि संसद में किसी क्षेत्र के प्रभाव और उसकी आवाज का भी प्रश्न है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दक्षिणी राज्यों की आर्थिक चिंता को और व्यापक स्वर दिया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य देश की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजनों में रहे हैं और आगामी वित्त आयोग के सामने राजस्व बंटवारे की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें जरूरत के साथ-साथ प्रदर्शन को भी महत्व मिले। विकास, वित्तीय अनुशासन और जनसांख्यिकीय बदलाव में निवेश करने वाले राज्यों को उनकी सफलता के लिए नुकसान में नहीं डाला जाना चाहिए। उन्होंने जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के सीमित कराधान अधिकारों का मुद्दा भी उठाया और कर दरों के निर्धारण में राज्यों को अधिक लचीलापन देने की जरूरत बताई।

अमित शाह के सामने साउथ के सीएम ने की 2 बड़ी मांग

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान NEET (नॉट इन टैक्स) से छूट और प्रस्तावित परिसीमन विधेयक में दक्षिण के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दे उठाए। दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में पहली बार उपस्थित विजय ने हाल ही में तमिलनाडु की राजनीति के केंद्र में रहे इन दो मुद्दों पर जोर देने के साथ-साथ अंतरराज्यीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग, नीली अर्थव्यवस्था और तटीय सुरक्षा में अधिक सहयोग का आह्वान किया। विजय ने मेडिकल कोर्स में दाखिले के लिए होने वाले एंट्रेंस टेस्ट NEET से तमिलनाडु को छूट दिलाने की मांग की। उनका तर्क था कि इससे ग्रामीण इलाकों के छात्रों और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को

नुकसान होता है।

विजय ने उठाया NEET का मुद्दा

तमिलनाडु में DMK समेत कई सरकारों ने पिछले करीब एक दशक से NEET का विरोध किया है। तीन महीने पहले सत्ता में आए विजय ने भी NEET का जोरदार विरोध किया है। असल में, एक्टर से नेता बने विजय ने पहले भी यह मांग की है कि शिक्षा को 'समवर्ती सूची' से हटाकर वापस 'राज्य सूची' में शामिल किया जाए।

परिसीमन को लेकर विजय की चिंताएं

विजय ने एक और बड़ी चिंता केंद्र की उस प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर जताई, जिसके तहत संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं फिर से तय की जानी हैं। केंद्र ने इस प्रक्रिया को लोकसभा में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करने से जोड़ा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि दक्षिणी राज्यों में यह एक वास्तविक और साझा चिंता है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन से संसद में उनकी सामूहिक आवाज कमजोर हो सकती है।

कांग्रेस का चुनाव आयोग बाहर धरना, उत्तराखंड SIR में गड़बड़ी का आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

उत्तराखंड। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उत्तराखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग के कार्यालय के बाहर धरना दिया और बाद में आयोग के अधिकारियों को अपना ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल, कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, विधायक दल के नेता यशपाल आर्य और राज्य से जुड़े वरिष्ठ नेता हरक सिंह रावत, प्रीतम सिंह और गुरदीप सप्पल निर्वाचन आयोग के कार्यालय पहुंचे थे। उनका आरोप था कि कई दिनों तक मिलने का समय मांगने के बाद जब कोई जवाब नहीं मिला तब उन्हें आयोग के कार्यालय पहुंच कर वहां धरने पर बैठना पड़ा। सैलजा ने कहा, 'लोकतंत्र में विपक्ष अपनी बात रखे, सवाल पूछे और संवैधानिक संस्था से जवाब मांगे, यही तो व्यवस्था की बुनियाद है।' उनके मुताबिक, पहले कांग्रेस नेताओं को निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अपनी बात रखने का अवसर मिलता था, लेकिन बृहस्पतिवार को आयोग के कार्यालय के बाहर नेताओं को बैरिकेड के पास रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने आयोग से कम से कम गेट खोलकर ज्ञापन स्वीकार करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्हें बाहर ही रोका गया और बाद में गेट के बाहर से ही ज्ञापन देने को कहा गया।

हमें अपनी भाषा, जड़ और पृष्ठभूमि पर गर्व होना चाहिए: दुर्गेश सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय-2026' में दूसरे दिन देशभर से आये पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों को संबोधित किया। सिनेमा के क्षेत्र में कार्यरत और वेबसीरीज 'गुल्लक' के लेखक दुर्गेश सिंह ने कहा कि हमें अपनी भाषा, अपनी जड़, अपनी जमीन और पृष्ठभूमि पर गर्व करना चाहिए। आज मुझे जो भी काम मिल रहा है, उसके पीछे मेरी भाषा, जमीन और पृष्ठभूमि है। उन्होंने कहा कि एआई आपको रिप्लेस करने नहीं आ रहा है। ये टूल्स हैं, इनका उपयोग करते आना चाहिए। दुनिया में इनका उपयोग किया जा रहा है। लेखन में भी एआई का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी धार्मिक कहानियों पर खूब सिनेमा बन रहा है। हमारे दादी-नानी ने जो कहानियां सुनायीं हैं, वे हमारे लिए बहुत महत्व की हैं। टीवी पत्रकारिता में सक्रिय एवं एंकर रवि मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता में संसाधनों का स्थान तो है लेकिन मूल्यों का महत्व अधिक है। जब हम यहां से पढ़कर निकलें तो कुछ मूल्य लेकर निकलें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान नौकरी की चिंता मत कीजिए। इस दौरान केवल पढ़िए, सीखिए, कैंपस लाइफ जिएं, गलतियां कीजिये और उनसे सीखिए। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि पत्रकारिता में आपका सबसे बड़ा साथी है, आपका स्वास्थ्य। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। तकनीक प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी अजीत कुमार ने कहा कि यहाँ से सीखकर आगे बढ़े. और सतत नया सीखते रहें। डिजिटल पत्रकारिता में सक्रिय प्रसून मिश्रा ने विद्यार्थियों से कहा कि आप पढ़ाई के दौरान तीन काम अवश्य कर लें- 1. फील्ड की जो जरूरत है, उसकी समझ विकसित करना। इसके साथ ही यह भी तय कर लें कि दो साल के बाद में करना क्या चाहते हैं। 2. जिस विषय को आप पढ़ रहे हैं, उसकी गहरी समझ विकसित करें। 3. स्किल्स सीखें। जैसे- लिखना, बोलना, कैमेरा संचालन, वीडियो संपादन, लेआउट डिजाइन सीखें। स्किल्स को अच्छा करने के लिए रियाज करें। इसके साथ ही जब आप जॉब में जाएं तब अपने एटिट्यूड और टेम्परामेंट पर काम करें क्योंकि वहां से आगे बढ़ने के लिए इनकी जरूरत पड़ेगी। बिजनेस पत्रकारिता में सक्रिय मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि 22 साल बाद विश्वविद्यालय में लौटकर नए विद्यार्थियों से संवाद कर रही हूं तो अपने पुराने दिन याद आ रहे हैं। हमारे शिक्षकों ने केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने पर ही जोर नहीं दिया अपितु उन्होंने जीवन भी सिखाया और करियर गढ़ने में भी दिशा दी। राजनीतिक संचार के क्षेत्र में सक्रिय पंकज झा ने कहा कि कुछ लिखना है, पढ़ना है और आगे बढ़ना है तो यह विश्वविद्यालय आपके लिए सबसे उपयुक्त जगह है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि हमें तीन काम अवश्य करना चाहिए- पढ़ना, पढ़ना और पढ़ना। हमारे क्षेत्र में पढ़ने का कोई विकल्प नहीं है।

आईटीआई को उद्योगों से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री के निर्देश, गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली में सीआईआईआईटी केंद्रों का संचालन शीघ्र शुरू करें

- मुख्यमंत्री का निर्देश, अनुदेशकों की चयन प्रक्रिया में तेजी लाएं, नियमित नियुक्ति में वेटेज का प्रावधान भी हो
- प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि आईटीआई को अधिक से अधिक उद्योगों से जोड़ा जाए। उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण विकसित करने के साथ ही अप्रेंटिसशिप तथा ऑन-जॉब प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास को रोजगार के साथ वैश्विक अवसरों से भी जोड़ा जाए। आईटीआई और उद्योगों के बीच निरंतर संवाद की व्यवस्था होनी चाहिए और प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्वेंशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईआईटी) केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली केंद्रों का संचालन शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को आधुनिक तकनीक और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में बताया गया कि टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 राजकीय आईटीआई के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है, जबकि 62 अन्य आईटीआई के उन्नयन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। उद्योगों के सहयोग से 37 राजकीय आईटीआई में एडवांस स्किल लैब स्थापित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने अनुदेशकों की उपलब्धता को प्रशिक्षण की गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए चयन प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चयनित अनुदेशकों को नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया में उनके अनुभव और कार्य के आधार पर वेटेज देने का प्रावधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि 2,406 अनुदेशक पदों पर चयन किया गया है और 2,200 से अधिक चयनित अनुदेशक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं।

बैठक में बताया गया कि प्रशिक्षणार्थियों के लिए कार्यस्थल पर हिंदी की आधिकारिक शब्दावली और प्रयोग से संबंधित प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है तथा प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में कुशल जनशक्ति की मांग को देखते हुए विदेशी भाषाओं का डिजिटल प्रशिक्षण शुरू करने के लिए कंपनियों के चयन की प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री ने जीरो पॉवर्टी अभियान से जुड़े परिवारों के बच्चों और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ऐसे परिवारों के 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के 9.52 लाख युवाओं का सत्यापन पूरा हो चुका है, जिनमें 1.44 लाख पात्र चिन्हित हुए हैं। इनमें 8,746 युवाओं का प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण हो चुका है।

बैठक में बताया गया कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के माध्यम से 21.13 लाख युवाओं को प्रशिक्षण और 12.94 लाख युवाओं को सेवायोजन मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कौशल प्रशिक्षण की सफलता का आकलन प्रशिक्षण की संख्या से अधिक रोजगार और स्वरोजगार के परिणामों से किया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं को आधुनिक कौशल, उद्योग आधारित प्रशिक्षण और वैश्विक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए प्रदेश को देश का अग्रणी कौशल हब बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए।

दादा भुसे का इस्तीफा मांगा: अभिजीत डुबके ने लातूर में सरकारी स्कूलों की बदहाली पर सवाल उठाए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

महाराष्ट्र। 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के संयोजक अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र के स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे के इस्तीफे की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकारी विद्यालयों की हालत दयनीय है और छात्रों की तुलना में 'मंत्रियों के कुत्तों को भी बेहतर सुविधाएं' मिलती हैं। कॉजपा ने पिछले सप्ताह 'स्कूल ठीक करो' अभियान शुरू किया था। दीपके ने लातूर की औसा तहसील के उजनी गांव स्थित एक जिला परिषद स्कूल का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि विद्यालयों की स्थिति के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों और मंत्रियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई विद्यालयों में अब भी अच्छी कक्षाओं, बेंच, शौचालय और उन तक पहुंचने के सुरक्षित मार्ग जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विद्यालयों में छात्रों के लिए 'जानवरों से भी बदतर' हालात हैं। दीपके ने कहा, 'यह छात्रों की जिंदगी का सवाल है।

जब नेता छात्रों के लिए कुछ नहीं कर रहे तो लोग उन्हें वोट क्यों दें? क्या लोग उन्हें केवल हेलीकॉप्टर में घूमने के लिए वोट देते हैं? लोगों को देखना चाहिए कि उनके बच्चे किन हालात में पढ़ रहे हैं। इन मंत्रियों के कुत्तों को भी इससे बेहतर सुविधाएं मिलती हैं।' उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि वे राजनीतिक दलों के नेताओं पर पहले शिक्षा के लिए काम करने और उसके बाद वोट मांगने का दबाव बनाएं। दीपके ने कहा, 'लोगों को अपने गांव आने वाले हर राजनीतिक दल के नेताओं से कहना चाहिए कि वे शिक्षा के लिए काम करें। उनसे कहें कि जब तक वे शिक्षा के लिए काम नहीं करते, तब तक वे वोट मांगने हमारे दरवाजे पर न आएं। राजनीति के लिए हम जाति और समुदाय के झंडे लेकर घरों से निकलते हैं। इसी तरह हमें अपने बच्चों के विद्यालयों के लिए भी बाहर निकलना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'ये लोग कहते रहते हैं कि धर्म खतरे में है। इतने वर्षों में धर्म खत्म नहीं हुआ और क्या यह आपके कार्यकाल में ही खत्म हो जाएगा? धर्म कहीं नहीं जाने वाला लेकिन बच्चों का भविष्य जरूर प्रभावित हो सकता है।' दीपके ने कहा कि मंत्रियों और विधायकों को अपने बच्चों को सरकारी विद्यालयों में भेजना चाहिए ताकि वे वहां छात्रों को होने वाली परेशानियों को समझ सकें। यह पूछे जाने पर कि क्या दादा भुसे को स्कूली शिक्षा मंत्री के पद पर बने रहना चाहिए, दीपके ने कहा, 'विद्यालयों की हालत देखकर मुझे लगता है कि शिक्षा मंत्री को पद पर नहीं बने रहना चाहिए। अगर सरकार सरकारी विद्यालयों में सुधार की जरूरत की गंभीरता समझना चाहती है तो मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपने बच्चों को इन्हीं विद्यालयों में पढ़ने के लिए भेजना चाहिए।' दीपके ने आरोप लगाया कि कई वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद सत्तारूढ़ पक्ष सरकारी विद्यालयों की स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं ला पाया। उन्होंने कहा, 'छात्र अब भी ऐसे विद्यालयों में पढ़ रहे हैं जिनमें टीन की छतों से पानी टपकता है और पर्याप्त बेंच नहीं हैं। अगर 10 साल में ये बुनियादी समस्याएं दूर नहीं की जा सकीं तो सरकार को बताना चाहिए कि उसने आखिर हासिल क्या किया है।' उन्होंने कहा कि कॉजपा एवं स्थानीय लोग विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं को लेकर मिलकर आवाज उठाएंगे और कई किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाने वाले छात्रों के लिए सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने का सरकार पर दबाव बनाएंगे। विद्यालयों में कथित रूप से सांप के काटने से बच्चों की मौत की खबरों का उल्लेख करते हुए दीपके ने कहा कि ऐसी घटनाएं बच्चों को सुरक्षित माहौल में शिक्षा उपलब्ध कराने में अधिकारियों की विफलता को उजागर करती हैं। उन्होंने उस स्कूल में गंदगी को लेकर भी चिंता जताई जिसका कॉजपा की टीम ने पहले निरीक्षण किया था। दीपके ने आरोप लगाया कि स्कूल परिसर के पीछे जमा कबाड़ और कचरे के कारण वहां सांपों के रहने के अनुकूल स्थिति बन गई है।

गाजियाबाद में मधुबन बापूधाम योजना के 241 भूखंडों का ई-लॉटरी ड्रा, खिल उठे आवंटियों के चेहरे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गाजियाबाद। गाजियाबाद में जीडीए की बहुप्रतीक्षित मधुबन बापूधाम आवासीय योजना के दूसरे चरण का ई-लॉटरी ड्रा बुधवार को लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन सभागार में हुआ। इसमें 241 आवासीय भूखंडों का आवंटन किया गया। ई-लॉटरी प्रक्रिया का जीडीए के यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारण किया गया, जिससे आवेदक घर बैठे भी पूरी प्रक्रिया देख सके। लॉटरी प्रक्रिया सुबह 11.30 बजे शुरू हुई। पारदर्शिता के लिए पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराई गई। भूखंड आवंटन की घोषणा होते ही चयनित आवेदकों के चेहरों पर खुशी नजर आई। कई आवेदकों ने कहा कि लंबे इंतजार के बाद अपने घर का सपना पूरा होने की उम्मीद जगी है। ई-लॉटरी के बाद चयनित आवंटियों से बातचीत कर उनकी प्रतिक्रिया भी ली गई। उन्होंने जीडीए की पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान जीडीए के अपर सचिव ने ई-लॉटरी प्रक्रिया को नियमों के तहत निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चयनित आवंटियों को आगे की आवंटन संबंधी प्रक्रिया के बारे में निर्धारित नियमों के अनुसार जानकारी दी जाएगी।

संपादक की कलम

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

ललित शर्मा
संपादक

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता–पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं–न–कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है। भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता–पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच 'असुविधा' बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता–पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा।

तरूवर की दर्द

उदय कशोर साह

कविता

हरी भरी मेरे तरू तन को मत काट मेरे भाई
मैं जीवन पर्यन्त करता हूँ इस जग की भलाई
भोले शंकर की तरह दूषित वायु करता हूँ पान
प्राण वायु देकर बचाता हूँ पल पल तेरे मैं प्राण

हरी भरी मेरे तरू तन को मत काट मेरे भाई
मृदा सरंक्षण की मैं हूँ मिट्टी सरंक्षण की ईकाई
बाढ़ की बहाव से मैं मिट्टी की थाम लिया है हाथ
अपने जड़ की जकड़न से बाँध रखा हूँ गाँठ

हरी भरी मेरे तरू तन को मत काट मेरे भाई
बरगद पीपल नीम की छाया की मैं देता हूँ दुहाई
जीवन पर्यन्त मानव सेवा की लिया है मैं प्रण
आम अमरुद यामुन कटहल फल है मेरे ही धन

हरी भरी मेरे तरू। तन को मत काट मेरे भाई
जन सेवा के लिये ही वन जंगल बन आया मैं साई
मर कर भी तेरे घर में आता हूँ तेरे ही मैं काम
चौखट किवाड़ झरीखा देता देख लो मेरे प्रमाण

हरी भरी मेरे। तरू तन को मत काट मेरे भाई
सूरज की प्रचंड ताप से मेरी छाया तुमको बचाई
वर्षा की बादल को कान पकड़ खींच लाता बरसात
मेरे वशंज की हरितमा आनन्दित करता है दिन रात

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मातृभाषा: शिक्षा की पहली सीढ़ी

डॉ विजय गर्ग
लेखक

शिक्षा की शुरूआत समझ से होती है। किसी बच्चे के गणित की समस्या हल करने, वैज्ञानिक विचार को समझने या किसी कहानी का विश्लेषण करने से पहले यह आवश्यक है कि वह उस भाषा को समझे जिसमें ज्ञान प्रस्तुत किया जा रहा है। करोड़ों रुपए बच्चों के लिए यह भाषा उनकी मातृभाषा होती है। यह घर, भावनाओं, रिश्तों और रोजमर्रा के अनुभवों की भाषा है। इसलिए मातृभाषा सार्थक शिक्षा की दिशा में पहला और सबसे स्वाभाविक कदम हो सकती है।

परिचित भाषा से सीखने की शुरूआत

एक छोटा बच्चा व्याकरण के नियम याद करके भाषा नहीं सीखता। वह सुनने, बोलने, देखने और परिवार तथा आसपास के समाज के साथ बातचीत के माध्यम से स्वाभाविक रूप से भाषा सीखता है। इसलिए मातृभाषा बच्चे के अनुभवों से गहराई से जुड़ी होती है। जब प्रारंभिक शिक्षा उस भाषा में दी जाती है जिसे बच्चे पहले से समझते हैं, तो वे कक्षा में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। वे बिना झिझक प्रश्न पूछ सकते हैं, अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं और पाठ्यक्रम की अवधारणाओं को दैनिक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ सकते हैं। परिचित भाषा सीखने को एक कठिन कार्य के बजाय खोज और समझ की प्रक्रिया में बदल सकती है।

याद करने से पहले समझना

शिक्षा की बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि हम कई बार रटने को ही सीखना समझ लेते हैं। बच्चा किसी परिभाषा को याद कर सकता है या किसी उत्तर को दोहरा सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उसने उसकी वास्तविक अवधारणा को समझ लिया है। इस समस्या में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब विद्यार्थियों को शिक्षा की भाषा समझने में कठिनाई होती है, तो वे अवधारणा को समझने के बजाय शब्दों को समझने में अधिक ऊर्जा लगा सकते हैं। इससे यांत्रिक सीखने, रटे हुए उत्तरों पर निर्भरता और प्रश्न पूछने में झिझक पैदा हो सकती है। परिचित भाषा में महत्वपूर्ण अवधारणाएँ पढ़ाने से ध्यान 'मुझे क्या याद करना है?' से बदलकर 'इसका अर्थ क्या है?' पर केंद्रित किया जा सकता है। यही बदलाव वास्तविक सीखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मातृभाषा और आत्मविश्वास

भाषा का आत्मविश्वास से भी गहरा संबंध है। जो बच्चे सहजता से संवाद कर सकते हैं, वे चचाओं में भाग लेने, प्रश्नों के उत्तर देने और अपने विचार व्यक्त करने के लिए अधिक तैयार रहते हैं। इसके विपरीत, कोई बच्चा किसी अवधारणा को समझता हो, लेकिन कक्षा में उसे आत्मविश्वास से व्यक्त न कर पाए, तो वह अपनी वास्तविक क्षमता से कम सक्षम दिखाई दे सकता है। समस्या उसकी बुद्धिमत्ता की नहीं, बल्कि भाषा की बाधा की हो सकती है। इसलिए एक सहयोगी शिक्षा वातावरण में विशेष रूप से प्रारंभिक वर्षों के दौरान बच्चों को ऐसी भाषा में सोचने और संवाद करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए जिसे वे अच्छी तरह समझते हैं।

स्कूल को घर से जोड़ना

शिक्षा तब अधिक प्रभावी होती है जब स्कूल में सीखी गई बातों और घर में बच्चे के अनुभवों के बीच संबंध स्थापित होता है। जब माता-पिता शिक्षा में प्रयुक्त भाषा को समझते हैं, तो उनके लिए अपने बच्चों की पढ़ाई में भाग लेना आसान हो जाता है। वे पाठों पर चर्चा कर सकते हैं, पढ़ने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, दैनिक जीवन के उदाहरण दे सकते हैं और गृहकार्य में सहायता कर सकते हैं।

यह उन समुदायों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जहाँ माता-पिता औपचारिक शिक्षा में प्रयुक्त भाषा से बहुत परिचित नहीं होते। स्कूल और घर के बीच भाषाई दूरी अनजाने में माता-पिता की भागीदारी को कम कर सकती है। मातृभाषा कक्षा और परिवार के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर सकती है।

स्थानीय ज्ञान का महत्व

हर भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं होती। उसमें कहानियाँ, परंपराएँ, अभिव्यक्तियाँ, इतिहास और पीढ़ियों से संचित ज्ञान भी समाहित होता है। स्थानीय भाषाओं में कृषि, पर्यावरण, पारंपरिक प्रथाओं, हस्तशिल्प, स्थानीय भूगोल और सामुदायिक जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण ज्ञान मौजूद होता है। जब शिक्षा इन भाषाओं का सम्मान करती है, तो औपचारिक ज्ञान को स्थानीय अनुभवों से जोड़ने के अवसर भी बढ़ते हैं।

उदाहरण के लिए, पर्यावरण विज्ञान पढ़ने वाला बच्चा नदियों, जंगलों, फसलों, मौसम या अपने क्षेत्र की पर्यावरणीय समस्याओं से जोड़कर अवधारणाओं को अधिक गहराई से समझ सकता है। शिक्षा तब अधिक प्रासंगिक बनती है जब ज्ञान विद्यार्थी की अपनी दुनिया से जुड़ता है।

मातृभाषा का अर्थ अलग-थलग रहना नहीं

मातृभाषा में शिक्षा का समर्थन करने का अर्थ अंग्रेजी या अन्य भाषाओं को नकारना नहीं है। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में बहुभाषिकता एक महत्वपूर्ण क्षमता है। अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय शोध, उच्च शिक्षा, तकनीक और वैश्विक संचार तक पहुँच प्रदान करती है। अन्य भारतीय और विदेशी भाषाएँ भी नए सांस्कृतिक और व्यावसायिक अवसर खोल सकती हैं। वास्तविक प्रश्न मातृभाषा बनाम अंग्रेजी नहीं है। बेहतर प्रश्न यह है: बच्चे परिचित भाषा में मजबूत आधार कैसे विकसित करें और साथ-साथ अन्य भाषाएँ भी कैसे सीखें? बच्चे को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और वैश्विक अवसरों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

बहुभाषिकता एक शक्ति

भारत दुनिया के सबसे अधिक भाषाई विविधता वाले देशों में से एक है। इसकी अनेक भाषाएँ शिक्षा के लिए बाधा नहीं, बल्कि शैक्षिक संसाधन बन सकती हैं। एक सुव्यवस्थित बहुभाषी दृष्टिकोण बच्चों को परिचित भाषा में मजबूत वैचारिक समझ विकसित करने और धीरे-धीरे अन्य भाषाएँ सीखने में सहायता कर सकता है। इससे बौद्धिक विकास और संचार कौशल दोनों को बढ़ावा मिल सकता है।

उद्देश्य किसी भाषा को दूसरी भाषा से बदलना नहीं, बल्कि भाषाई क्षमताओं को जोड़ना होना चाहिए। नई भाषा सीखने से बच्चे की क्षमताओं में वृद्धि होनी चाहिए, लेकिन उसे यह महसूस नहीं होना चाहिए कि उसकी घरेलू भाषा कम महत्वपूर्ण है।

शिक्षकों की भूमिका

भाषा को बाधा के बजाय सेतु बनाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक कठिन विचारों को सरल भाषा में समझा सकते हैं, परिचित उदाहरणों का उपयोग कर सकते हैं, विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं और आवश्यकता पड़ने पर बच्चे की घरेलू भाषा के उचित उपयोग की अनुमति दे सकते हैं। कक्षा की चचाओं में स्थानीय अनुभवों और शब्दावली को शामिल करते हुए धीरे-धीरे अन्य भाषाओं की शैक्षणिक शब्दावली भी सिखाई जा सकती है। अच्छा शिक्षण केवल विषय-वस्तु प्रस्तुत करना नहीं है। यह सुनिश्चित करना भी है कि विद्यार्थी उस ज्ञान तक आसानी से पहुँच सकें।

तकनीक क्षेत्रीय भाषाओं को मजबूत कर सकती है

डिजिटल तकनीक मातृभाषा में शिक्षा के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। शैक्षिक वीडियो, डिजिटल पुस्तकालय, अनुवाद उपकरण, ऑडियो संसाधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनेक भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने में सहायता कर सकते हैं। हालाँकि, केवल तकनीक भाषा से जुड़ी चुनौती का समाधान नहीं कर सकती। सामग्री सटीक, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक और आसानी से समझ में आने वाली होनी चाहिए। शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों और भाषा विशेषज्ञों को मिलकर उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री तैयार करनी चाहिए। डिजिटल युग को शिक्षा को भाषाई रूप से सीमित नहीं, बल्कि ज्ञान को अधिक से अधिक भाषाओं में उपलब्ध कराने वाला बनना चाहिए।

राजनीति की आग में धुआँ-धुआँ बेजुबान सपने

एनके शर्मा
लेखक

लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह नहीं कि राजनीति में संघर्ष है; दुर्भाग्य यह है कि राजनीति धीरे-धीरे स्वयं संघर्ष का पर्याय बनती जा रही है। सत्ता पाने की भूख ने जनसेवा के अर्थ को इतना विकृत कर दिया है कि जिस जनता के नाम पर लोकतंत्र की पूरी इमारत खड़ी है, वही जनता आज उसके गलियारों में सबसे अधिक उपेक्षित, सबसे अधिक असहाय और सबसे अधिक मौन दिखाई देती है। चुनाव आते हैं तो गरीब की झोपड़ी लोकतंत्र का मंदिर बन जाती है, किसान अन्नदाता कहलाता है, युवा राष्ट्र का भविष्य बन जाता है, महिला शक्ति का प्रतीक और मजदूर विकास की रीढ़। लेकिन चुनाव बीतते ही वही चेहरे आंकड़ों, फाइलों और भाषणों के बीच कहीं गुम हो जाते हैं। उनके सपनों का धुआँ आसमान में उठता रहता है और सत्ता के वातानुकूलित कमरों में बैठे लोग उसे विकास की धुंध समझकर आगे बढ़ जाते हैं।

राजनीति की आग केवल संसद, विधानसभाओं या चुनावी मंचों पर नहीं जलती। उसकी लपटें उन घरों तक पहुँचती हैं जहाँ महीने के अंतिम सप्ताह में रसोई का हिसाब बिगड़ जाता है; उन खेतों तक पहुँचती हैं जहाँ किसान मौसम, बाजार और कर्ज के बीच अपनी जिंदगी का दाँव लगाता है; उन कस्बों तक पहुँचती हैं जहाँ पढ़ा-लिखा युवा रोजगार के लिए दर-दर भटकता है; उन अस्पतालों तक पहुँचती हैं जहाँ इलाज बीमारी से अधिक महँगा हो चुका है; और उन परिवारों तक पहुँचती हैं जहाँ बच्चों की आँखों में सपने तो हैं, मगर उन्हें पूरा करने के साधन नहीं। सबसे भयावह दृश्य यह है कि समाज ने इस पीड़ा को सामान्य मान लिया है। महँगाई पर कुछ घंटे बहस होती है, बेरोजगारी पर कुछ बयान जारी होते हैं, किसानों की समस्या पर कुछ घोषणाएँ होती हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य पर कुछ योजनाओं के नाम बदले जाते हैं—और फिर सब कुछ अगले राजनीतिक तमाशे की प्रतीक्षा में शांत हो जाता है। यह शांति शांति नहीं, चेतना की मृत्यु है। सत्ता का चरित्र तभी खतरनाक होता है जब उसे जनता के दुःख से अधिक अपनी छवि की चिंता होने लगे। जब भूख से अधिक महत्वपूर्ण प्रचार हो जाए, बेरोजगारी से अधिक महत्वपूर्ण आंकड़ों की सजावट हो जाए, शिक्षा से अधिक महत्वपूर्ण उद्घाटन हो जाए और नागरिक अधिकारों से अधिक महत्वपूर्ण सत्ता का विस्तार—तब लोकतंत्र का शरीर भले जीवित दिखाई दे, उसकी आत्मा घायल हो चुकी होती है। आज राजनीति ने समाज को केवल दो हिस्सों में नहीं बाँटा; उसने उसे असंख्य पहचानियों, खाँचों और भावनात्मक खेमों में विभाजित कर दिया है। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा और राजनीतिक निष्ठा के नाम पर नागरिकों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा करना आसान हो गया है। क्योंकि भूख से लड़ता नागरिक सवाल पूछेगा, बेरोजगार युवा जवाब माँगेगा, शिक्षित समाज नीति पर बहस करेगा और जागरूक मतदाता सत्ता से हिसाब लेगा। लेकिन यदि नागरिक को लगातार भावनाओं की आग में झोंक दिया जाए, तो वह अपने वास्तविक प्रश्न भूल सकता है। यही राजनीति की सबसे खतरनाक सफलता है—जनता को उसके अपने दुःख से विमुख कर देना। राजनीतिक दल बदलते हैं, झंडे बदलते हैं, नारे बदलते हैं, चेहरे बदलते हैं; लेकिन यदि व्यवस्था की संवेदनहीनता नहीं बदलती, तो आम आदमी की नियति कैसे बदलेगी? जिस लोकतंत्र में पाँच वर्ष बाद नागरिक को केवल एक मतदाता के रूप में याद किया जाए और बाकी वर्षों में उसे महज संख्या समझा जाए, वहाँ लोकतांत्रिक चेतना पर गंभीर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यह सवाल किसी एक दल, नेता या विचारधारा का नहीं है। यह पूरे राजनीतिक चरित्र का सवाल है। विपक्ष सत्ता को कठघरे में खड़ा करता है, सत्ता विपक्ष को दोष देती है और जनता दोनों के बीच अपने जीवन की टूटती हुई कड़ियाँ जोड़ती रहती है। सत्ता पक्ष कहता है कि हमने बहुत कुछ किया; विपक्ष कहता है कि कुछ नहीं हुआ। मगर उस माँ से पूछिए जिसका बेटा नौकरी की तलाश में शहर-दर-शहर भटक रहा है। उस किसान से पूछिए जिसकी फसल का मूल्य उसकी लागत को भी नहीं छू पाता। उस मजदूर से पूछिए जिसकी मेहनत शहरों की चमक पैदा करती है, मगर जिसके अपने घर में अंधेरा है। उससे पूछिए जिसे बीमारी ने नहीं, इलाज की कीमत ने तोड़ दिया। उसके पास राजनीतिक शब्दावली नहीं होगी—उसके पास केवल अपना अनुभव होगा। और वही अनुभव लोकतंत्र का सबसे कठोर आईना है। मीडिया भी इस संकट से अछूता नहीं है। जब जनसरोकार की जगह सनसनी, तथ्य की जगह शोर और प्रश्नों की जगह राजनीतिक पक्षधरता ले लेती है, तब लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी अपनी जिम्मेदारी से भटकने लगता है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसके नाम पर लिए गए निर्णयों का वास्तविक प्रभाव क्या है; लेकिन यदि समाचार का उद्देश्य नागरिक को जागरूक करने के बजाय उसे उत्तेजित करना बन जाए, तो सूचना भी एक राजनीतिक हथियार बन जाती है। सोशल मीडिया ने इस आग को और तेज कर दिया है। अब अफवाहें प्रकाश की गति से फैलती हैं और सत्य को प्रमाण जुटाने में समय लगता है। नागरिक सूचना के महासागर में खड़ा है, लेकिन सत्य की एक बूंद के लिए तरस रहा है। भीड़ की आवाज इतनी तेज हो गई है कि विवेक की धीमी आवाज सुनाई ही नहीं देती।

फिर भी आशा समाप्त नहीं हुई है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति सत्ता नहीं, जागरूक नागरिक है। जिस दिन नागरिक जाति और धर्म से ऊपर उठकर शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सुरक्षा, न्याय, पर्यावरण और आर्थिक अवसरों पर सवाल पूछना शुरू करेगा, उस दिन राजनीति को अपना चेहरा बदलना ही पड़ेगा। जिस दिन मतदाता नेता से यह पूछेगा कि पाँच साल में मेरे जीवन में क्या बदला, उस दिन चुनावी घोषणाएँ वास्तविक नीतियों में बदलने के लिए मजबूर होंगी। सत्ता को समझना होगा कि जनता कोई भीड़ नहीं, मनुष्य है; कोई वोट-बैंक नहीं, नागरिक है; कोई आंकड़ा नहीं, संवेदनशील जीवन है। उसके सपनों को घोषणापत्र के पन्नों पर लिखकर छोड़ देना लोकतंत्र नहीं है। उन सपनों को अवसर, सम्मान और न्याय में बदलना ही लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा है। आज आवश्यकता किसी नए नारे की नहीं, नई राजनीतिक नैतिकता की है। आवश्यकता किसी महानायक की नहीं, जागृत नागरिक समाज की है। आवश्यकता सत्ता के जयकारों की नहीं, सत्ता से निर्भीक सवालों की है। क्योंकि जिस समाज में प्रश्न मर जाते हैं, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे औपचारिकता बन जाता है।

स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती।

शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित।

डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं—उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि ह्लबच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?ह्व पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है।

भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए ढडउरड अ३, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है। किसी गंभीर शिकायत को केवल ह्लविद्यालय का आंतरिक मामलाह्व मानकर दबा देना उचित नहीं है। मामले की प्रकृति के अनुसार सक्षम अधिकारियों को सूचना और सहयोग देना आवश्यक हो सकता है। कानूनी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल आरोपी को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना भी है।

समाज में आज भी कई बार ऐसी घटनाओं के बाद सवाल बच्ची के व्यवहार, कपड़े, समय, दोस्ती या सोशल मीडिया गतिविधियों पर उठाए जाते हैं। यह सोच गलत और नुकसानदायक है।

गुलदार के हमले से छह वर्षीय मासूम की मौत, गन्ने के खेत में मिला शव, गांव में फैली दहशत

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नजीबाबाद तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुशालपुर मडका में गुलदार के हमले से छह वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। गांव निवासी भूदेव कश्यप पुत्र नक्श कश्यप उर्फ कल्लू, उम्र करीब छह वर्ष, बुधवार शाम से लापता था। परिजनों और ग्रामीणों ने रातभर बच्चे की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।गुरुवार सुबह करीब 8 बजे गांव से लगभग 150 मीटर दूर गन्ने के खेत में मासूम का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बच्चे को गुलदार द्वारा उठा ले जाने की आशंका जताई, जिसके बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय किसान यूनियन प्रधान व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामोद कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर दुख जताया तथा प्रशासन से परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने और क्षेत्र में गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की।मासूम की मौत के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने, गांव में पर्याप्त लाइट लगवाने और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की मांग रखी। ग्रामीणों का कहना है कि गन्ने के खेतों और गांव के आसपास अंधेरा व झाड़ियां होने के कारण गुलदार की गतिविधियों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। यदि गांव में पर्याप्त रोशनी, सफाई और निगरानी की व्यवस्था हो तो खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। घटना के बाद प्रशासन भी हरकत में आया। बताया गया कि प्रशासन ने तुरंत ड्रोन कैमरे मंगवाकर आसपास के खेतों और इलाके में गुलदार की तलाश शुरू कराई, ताकि उसकी लोकेशन का पता लगाया जा सके। इसके साथ ही गुलदार को पकड़ने के लिए एक पिंजरा भी लगाया गया है। वन विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए जाने की बात कही गई है। पीड़ित परिवार को प्रशासन की ओर से सहायता दिलाने का भी आश्वासन दिया गया है। उप जिलाधिकारी ने परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही एक पट्टा दिलाने का आश्वासन दिया है। प्रशासन की ओर से त्वरित कार्रवाई के बावजूद ग्रामीणों में गुलदार को लेकर भय कम नहीं हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि मासूम की जान जाने के बाद अब प्रशासन को केवल तलाश तक सीमित न रहकर गुलदार को पकड़ने के लिए प्रभावी अभियान चलाना चाहिए। साथ ही गांव में रोशनी, सफाई और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था तत्काल कराई जाए, ताकि ग्रामीणों और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

टांडा में भाकियू के किसान संवाद में बिजली व खाद समस्या पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा (रामपुर)। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला के आवास पर किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाकियू जिलाध्यक्ष दरबारीलाल शर्मा ने किसानों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। किसानों ने सबसे पहले बिजली की किल्लत का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि तय रोस्टर के मुताबिक बिजली न मिलने से सिंचाई और खेती-बाड़ी में भारी परेशानी हो रही है। इसके अलावा खाद संकट और नई ऑनलाइन व्यवस्था का भी जोरदार विरोध जताया गया। समय पर खाद न उपलब्ध होना तथा इंटरनेट संबंधी दिक्कतों के कारण ऑनलाइन बुकिंग ठप पड़ना किसानों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। उन्होंने साफ मांग की कि इस जटिल नई व्यवस्था को बंद कर पुरानी खाद वितरण प्रणाली तुरंत बहाल की जाए, ताकि किसानों को समय से खाद मिल सके। जिलाध्यक्ष दरबारीलाल शर्मा ने किसानों को आश्वस्त किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी निष्ठा और मेहनत से काम जारी रहेगा। उन्होंने नगर अध्यक्ष टांडा द्वारा बताई गई समस्याओं को भी शीघ्र हल कराने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में मो. मुस्तकीम (जिला प्रचार मंत्री), साबिर अली (जिला संगठन मंत्री), मजहर अली उर्फ लाला (नगर अध्यक्ष), भूरा (नगर उपाध्यक्ष), फरीद खां (युवा नगर अध्यक्ष), मास्टर मो. रफीक, कारी इरफान, मो. शमीम, मो. राशिद, मो. शम्सुद्दीन, मो. अदनान, हाजी इस्माइल, हाजी अकबर अली, मो. अजीम सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन ने गांव गांव पहुंचकर लोगों से किया संवाद

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। नूरपुर विधानसभा 24 से भाजपा के संभावित प्रत्याशी डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन ने कई गांव का दौरा कर जन कल्याण कारी योजनाओं की चर्चा की। डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन नूरपुर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के संभावित प्रत्याशी है उन्होंने नूरपुर विधानसभा के गांव सदाफल, मीठेपुर, भागलपुर, उदयचंद, मुबारकपुर गड़ी में पहुंचकर ग्राम वासियों से घर-घर जाकर संवाद किया तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान डॉ वीरेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्य की जानकारी क्षेत्र वासियों को विस्तार से दी। ग्राम वासियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह निरंतर क्षेत्र की जनता की सेवा में लगे रहेंगे। उन्होंने सभी ग्राम वासियों द्वारा मिले सम्मान का दिल से आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अधिकारियों के साथ किया तहसील नगीना के विभिन्न संभावित बाढ़ क्षेत्र का दौरा

ग्रामीणों से वार्ता कर दिया हर संभव मदद का आश्वासन, ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार होकर किया प्रभावित क्षेत्र का दौरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व), उपजिलाधिकारी नगीना, क्षेत्राधिकारी नगीना, नायब तहसीलदार बढ़ापुर एवं नगीना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ ग्राम मुरादबख्शपुर उर्फ मतवाली एवं कादरगंज का स्थलीय निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर नदी के तट का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया तथा मौके पर मौजूद ग्रामीणों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। मंगलवार को तहसील नगीना के परगना बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम मुरादबख्शपुर उर्फ मतवाली में पानी का जलस्तर बढ़ने के कारण गांव में पानी प्रवेश कर गया। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना उपजिलाधिकारी नगीना को दी गई। सूचना प्राप्त होते ही उपजिलाधिकारी नगीना द्वारा अपनी राजस्व टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों की अगुवाई की गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा निरीक्षण के दौरान ग्राम मुरादबख्शपुर एवं कादरगंज के ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। इसके अतिरिक्त ग्राम में निवासरत वन गुर्जर समुदाय के लोगों से भी वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली गई। इस दौरान ग्रामीणों को नदी के पानी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने तथा नदी के तट से पर्याप्त दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्र की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा ग्रामीणों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को न्यायिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक

हापुड़ (वेलकम इंडिया)। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर 2026 (शनिवार) को सफल बनाने के लिए गुरुवार को जिला न्यायालय परिसर में न्यायिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला जज एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड़ अजय कुमार सिंह प्रथम ने की। बैठक का संचालन राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी एवं अपर जिला जज अवनीश कुमार राय की देखरेख में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड़ डा. ब्रह्मपाल सिंह द्वारा किया गया। बैठक में अपर जिला जज प्रथम, हापुड़ हनी गोयल ने समस्त न्यायिक अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के लिए चिन्हित मामलों में पूर्व से ही अधिकाधिक नोटिस एवं सम्मन जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत से पहले आवश्यक तैयारियां पूरी करने तथा अधिक से अधिक वादों का आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में समस्त अपर जिला जज सहित अन्य न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पिलखुवा में सोनपपड़ी निर्माण इकाई पर खाद्य विभाग की छापेमारी, 110.5 किलो बत्तीसा सीज

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के आदेश तथा जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 20 अगस्त 2026 को जनपद हापुड़ में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं मानकों की जांच को लेकर कार्रवाई की। सहायक आयुक्त (खाद्य)-क्कहापुड़ चन्द्र शेखर मिश्र के नेतृत्व में गठित सचल दल ने पिलखुवा स्थित नन्द किशोर एंड ब्रदर्स की सोनपपड़ी निर्माण इकाई पर औचक छापेमारी की। टीम ने मौके से बत्तीसा के दो नमूने तथा बीकानेरी भुजिया का एक नमूना संग्रहित किया। जांच के दौरान लगभग 110.5 किलोग्राम बत्तीसा, जिसकी अनुमानित कीमत 10,497.50 रुपये बताई गई है, को मिथ्याछाप होने के दृष्टिगत सीज कर दिया गया। इसके अलावा निर्माणशाला में कमियां पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान को सुधार नोटिस जारी किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा संग्रहित सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। विभाग के अनुसार जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर.पी. गुप्ता, विपिन कुमार सिंह, आर.पी. गंगवार एवं सोवेन्द्र सिंह पंघाल शामिल रहे।

पुलिस और बदमाश की मुठभेड़ मे एक बदमाश गिरफ्तार दूसरा फरार

नूरपुर (वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के जंगल में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हो गया जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तथा एक बदमाश भागने में कामयाब हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह लगभग 4 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि गोहावर के जंगल में दो व्यक्ति गोकशी करने की फिराक में है सूचना मिलते ही पुलिस ने उक्त जंगल की घेरा बंदी कर चेकिंग शुरू कर दी चेकिंग के दौरान पुलिस को दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए पुलिस के अनुसार दोनों व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे पुलिस को पीछा करते देख एक बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जो एक बदमाश के पैर में लगी जिसे पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया जबकि दूसरा बदमाश भागने में सफल रहा। गिरफ्तार बदमाश ने पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम गुल्लू पुत्र मुर्तजा निवासी गांवडी पनियाला थाना नूरपुर बताया। घायल बदमाश के पास से एक अवैध तमंचा एक खोखा कारतूस एक अपाचे मोटरसाइकिल तथा गोकशी में काम आने वाले उपकरण बरामद किए। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में नूरपुर थाना अध्यक्ष प्रवेज कुमार, उप निरीक्षक श्रीकांत सत्यार्थी, हेड कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, कांस्टेबल राहुल कुमार थाना प्रभारी प्रवेज कुमार ने बताया कि उक्त अभियुक्त पर पहले से ही मुकदमे दर्ज है फरार आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस दविश दे रही है।

गौरव त्यागी हत्याकांड: हत्यारोपियों के एनकाउंटर और बुलडोजर कार्रवाई की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में गौरव त्यागी की निर्मम हत्या के विरोध में राष्ट्रीय सैनिक संस्था की जिला इकाई ने नगर पालिका परिषद स्थित शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान संस्था पदाधिकारियों ने हत्यारोपियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन एसडीएम सदर प्रेमपाल सिंह एवं क्षेत्राधिकारी अनीता चौहान को सौंपा।कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय सैनिक संस्था के जिलाध्यक्ष मुकेश त्यागी ने कहा कि गौरव त्यागी की हत्या करने वाले आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए तथा उनके अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाया जाए। उन्होंने मृतक के परिवार को पूर्ण सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की। संस्था के प्रदेश प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र त्यागी ने कहा कि गौरव त्यागी की हत्या से क्षेत्र में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की अपील की। इस दौरान पदाधिकारियों ने क्षेत्राधिकारी अनीता चौहान से मुलाकात कर हत्यारोपियों के विरुद्ध जल्द से जल्द प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन में जिला सचिव मुकेश प्रजापति, जिला सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्याम वर्मा, वरिष्ठ जिला संरक्षक हरीराज सिंह त्यागी, ब्रजभूषण त्यागी, हेमराज त्यागी, राजकुमार वर्मा, दीपचंद प्रजापति सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा में कूदी महिला, तलाश जारी

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। मंडावर क्षेत्र के भोजपुर गांव निवासी एक महिला ने बुधवार को बालावाली पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद पुलिस, एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम महिला की तलाश में जुटी हुई है। काफी प्रयास के बावजूद समाचार लिखे जाने तक महिला का कोई पता नहीं चल सका था। जानकारी के अनुसार भोजपुर निवासी मोंटी अपनी पत्नी बांबी के साथ हरिद्वार में रहकर बच्चों सहित काम करता है। बुधवार को दोनों किसी काम से अपने गांव आए थे। दोपहर बाद मोंटी अपनी पत्नी को लेकर बाइक से हरिद्वार लौट रहा था। इसी दौरान बालावाली पुल पर पहुंचने के बाद बाइक पर बैठी बांबी की चप्पल नीचे गिर गई। महिला ने पति से बाइक रोकने को कहा। पति द्वारा बाइक रोकने के बाद वह चप्पल उठाने लगा। इसी दौरान महिला ने अचानक पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी। पत्नी को गंगा में कूदता देख पति ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। पास ही स्थित बालावाली पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी भी तत्काल मौके पर पहुंचे और महिला की तलाश शुरू कर दी। बताया गया कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी। हालांकि महिला के गंगा में छलांग लगाने के वास्तविक कारणों की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से गंगा में महिला की तलाश शुरू कराई। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम को भी तलाश अभियान में लगाया गया। देर शाम तक गंगा नदी में काफी दूर तक सर्च अभियान चलाया गया, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिला।

ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी ने गौरव त्यागी हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, पीड़ित परिवार को दी सांत्वना

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने थाना हापुड़ देहात के थानाध्यक्ष से मुलाकात कर क्षेत्र में बढ़ रही हत्या, लूट, दुष्कर्म, भ्रष्टाचार एवं सड़क दुर्घटनाओं की घटनाओं पर चिंता जताई।प्रतिनिधिमंडल ने ग्राम धनोरा-ददायरा मार्ग पर मोहम्मदपुर आजमपुर निवासी किसान गौरव त्यागी की हत्या का मामला प्रमुखता से उठाया। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने घात लगाकर गौरव त्यागी पर लाठी-हथौड़े से हमला कर उनकी निर्मम हत्या कर दी। गौरव त्यागी अपने पिता के इकलौते पुत्र थे। घटना से परिवार में शोक का माहौल है। प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा शाम करीब चार बजे ग्राम मोहम्मदपुर आजमपुर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से घटना में शामिल आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने ततारपुर क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना का मुद्दा भी उठाया। पार्टी के अनुसार, रॉन्ग साइड से आ रहे एक ट्रक ने बाइक सवार दो लोगों को करीब 20 मीटर तक घसीट दिया, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पार्टी ने सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की भी मांग की। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश ने मांग की कि गौरव त्यागी हत्याकांड के सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा परिवार को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल प्रदान की जाए। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में सुनील शर्मा, इंचार्ज जिला प्रदेश कार्यालय; फैसल सैय्यद एडवोकेट, जिला हापुड़; धर्मवीर कश्यप, जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ हापुड़; नितिन निर्वाण, जिला सचिव हापुड़; दुष्यंत शर्मा, जिला सचिव हापुड़; आशु कोरी, जिला सचिव हापुड़ तथा कपिल जाटव, जिला सचिव हापुड़ मौजूद रहे।

बजरंग दल की साहसिक यात्रा में बिजनौर से 13 कार्यकर्ता रवाना

बिजनौर (वेलकम इंडिया)। बजरंग दल के नेतृत्व में आयोजित साहसिक यात्रा में जनपद बिजनौर से 13 कार्यकर्ता जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में स्थित बाबा बूढ़े अमरनाथ के लिए रवाना हुए। छह दिवसीय इस यात्रा में देशभर से बजरंग दल के कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। बजरंग दल के जिला संयोजक अरुण चौधरी ने बताया कि संगठन के नेतृत्व में यह यात्रा प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। उन्होंने बताया कि पहले यह यात्रा करीब 10 दिनों के लिए आयोजित होती थी और देश के विभिन्न हिस्सों से कार्यकर्ता इसमें शामिल होते हैं। जिला सुरक्षा प्रमुख अभिषेक त्यागी ने बताया कि पाकिस्तान सीमा से लगे क्षेत्र में होने के कारण यह यात्रा पहले बंद कर दी गई थी। वर्ष 2005 में बजरंग दल ने इसे दोबारा साहसिक यात्रा के रूप में शुरू किया। इसके बाद से प्रत्येक वर्ष कार्यकर्ता इस यात्रा में भाग लेते हैं। इस वर्ष यात्रा का शुभारंभ बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण प्रजापत ने किया। बिजनौर से यात्रा पर जाने वाले कार्यकताओं को विभाग संगठन मंत्री जयलेश ने तिलक-चंदन कर रवाना किया। इस दौरान कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला। यात्रा में शामिल कार्यकताओं ने बताया कि बाबा बूढ़े अमरनाथ की यात्रा उनके लिए धार्मिक आस्था के साथ-साथ साहस, अनुशासन और संगठनात्मक अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी है। बिजनौर से रवाना होने वाले दल में विभाग मंत्री मनोज शर्मा, जिला मंत्री सौरभ शर्मा, जिला संयोजक अरुण चौधरी, जिला सुरक्षा प्रमुख अभिषेक त्यागी, जिला धर्म प्रसार प्रमुख संजय चौधरी, जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख रजत चौधरी, बलराम रघुवंशी, पीयूष बजरंगी, आशीष बालियान, उज्ज्वल, विकास चौधरी और राघव खेड़ा सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

जिला चिकित्सालय चंपावत में शुरू हुई ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट

50 लाख रुपये की लागत से तैयार सुविधा का मुख्यमंत्री धामी ने किया वर्चुअल शुभारंभ, अब स्थानीय स्तर पर मिलेंगे प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और लाल रक्त कोशिकाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

चंपावत। जिला अस्पताल चंपावत में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुविधा की शुरूआत हुई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला अस्पताल परिसर में 50 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। इस सुविधा के शुरू होने से अब आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को आवश्यक रक्त घटक स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगे। इससे गंभीर मरीजों को उपचार के लिए बड़े चिकित्सा केंद्रों पर रेफर करने की आवश्यकता कम होगी और उपचार में लगने वाले महत्वपूर्ण समय की बचत होगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर को चंपावत के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि चंपावत उनके लिए केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि कर्मभूमि है और यहां की जनता उनका परिवार है। उन्होंने कहा कि चंपावत को विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में पूरे उत्तराखंड के लिए एक आदर्श मॉडल बनाने का संकल्प लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुमाऊं मंडल में पिथौरागढ़ और रुद्रपुर के बाद चंपावत जिला अस्पताल में ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट की सुविधा शुरू हुई है। यह सुविधा विशेष रूप से उन मरीजों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जिन्हें तत्काल किसी विशेष रक्त घटक की आवश्यकता होती है। ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट के माध्यम से दान किए गए रक्त को वैज्ञानिक प्रक्रिया के जरिए पैक्ड रेड ब्लड सेल्स (पीआरबीसी), प्लाज्मा और प्लेटलेट्स जैसे अलग-अलग रक्त घटकों में विभाजित किया जा सकेगा। मरीज की बीमारी और चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार उसे संबंधित रक्त घटक उपलब्ध कराया जाएगा। इससे एक यूनिट रक्त का जरूरत के अनुसार बेहतर और वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित होगा। एक ही रक्तदान से अलग-अलग रक्त घटकों की आवश्यकता वाले कई मरीजों को लाभ पहुंचाया जा सकेगा। नई सुविधा दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीजों, प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव, बड़ी सर्जरी, गंभीर बीमारियों और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में बेहद उपयोगी साबित होगी। अब आवश्यक रक्त घटक के लिए मरीजों को दूसरे बड़े चिकित्सा केंद्रों पर भेजने की जरूरत कम होगी। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों से जिला अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को इससे बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। समय पर आवश्यक रक्त घटक उपलब्ध होने से गंभीर मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण समय बचाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत में स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक, सीटी स्कैन, एमआरआई और डायलिसिस जैसी सुविधाएं विकसित की जा चुकी हैं। इसके अलावा डायग्नोस्टिक विंग और ऑपरेशन थिएटर का निर्माण भी जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि लोगों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उनके अपने जिले में ही उपलब्ध कराई जाएं, ताकि सामान्य और गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए उन्हें अनावश्यक रूप से दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। चंपावत को आदर्श जिला बनाने के लिए भी विभिन्न क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में आधुनिक पार्किंग, सिटी ड्रेनेज सिस्टम, भूमिगत विद्युत लाइन, बेहतर पेयजल व्यवस्था, साइंस सेंटर, महिला स्पोर्ट्स कॉलेज और आधुनिक आईएसबीटी जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर मुफ्त चिकित्सा शिविर, 125 मरीजों का हुआ इलाज

मथुरा/गोवर्धन (वेलकम इंडिया)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सोमवार को श्री गिर्राज नर्सिंग होम गोवर्धन के तत्वावधान में एक विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके देश के लिए किए गए कार्यों को याद किया। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजीव शर्मा एवं डॉ. त्रिवेणी शर्मा ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में कुल 125 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया गया। सभी मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं तथा आवश्यक जांचें भी बिना किसी शुल्क के की गईं। आयोजक कर्ता ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आमजन को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर नर्सिंग होम स्टाफ एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ब्रिटिश मौलाना को बड़ा झटका, 640 वर्गमीटर जमीन का बैनामा

संस्था के नाम कृषि भूमि खरीदने का मामला, एसडीएम खलीलाबाद की कोर्ट ने जमीन राज्य सरकार में निहित करने का दिया आदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। ब्रिटेन की नागरिकता हासिल कर चुके मौलाना शमशुलहुदा खान को एक और बड़ा झटका लगा है। उनकी सरपरस्ती वाली शैक्षिक संस्था के नाम कृषि भूमि का बैनामा कराने के मामले में एसडीएम खलीलाबाद की कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने खलीलाबाद शहर के गोश्त मंडी रोड स्थित गाटा संख्या 154 मि. की 0.0640 हेक्टेयर यानी 640 वर्गमीटर भूमि का दो सितंबर 2014 को हुआ बैनामा निरस्त कर दिया है। साथ ही संबंधित भूमि को राज्य सरकार में निहित करने का आदेश दिया गया है। भूमि पर हुए निर्माण को भी सरकारी संपत्ति घोषित किया गया है। न्यायालय ने हल्का लेखपाल की 26 मई 2026 की रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए खतौनी फसली 1427-1432 में दर्ज उक्त भूमि से कुल्लियातुल बनातिर रजविया एजूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी, रजानगर, गोश्त मंडी रोड, खलीलाबाद का नाम हटाने का निर्देश दिया है। आदेश के अनुपालन के लिए आदेश की प्रति तहसीलदार खलीलाबाद को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पत्रावली में उपलब्ध ब्रिटिश पासपोर्ट और देशीकरण प्रमाण पत्र से पुष्टि हुई कि शमशुलहुदा खान ने 19 दिसंबर 2013 को ब्रिटेन की नागरिकता हासिल की थी। इसके बाद दो सितंबर 2014 को उनकी सरपरस्ती वाली संस्था के नाम कृषि भूमि का बैनामा कराया गया। सुनवाई के दौरान सामने आया कि बैनामा कराते समय संस्था के प्रबंधक तौसीफ रजा खान और सरपरस्त शमशुलहुदा खान की ओर से उत्तर प्रदेश सरकार से पूर्व अनुमति प्राप्त करने का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका। न्यायालय ने इसे उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 90 के प्रावधानों के विपरीत माना।

मामले की सुनवाई के दौरान संस्था कुल्लियातुल बनातिर रजविया एजूकेशनल सोसायटी, गोश्त मंडी, खलीलाबाद के सरपरस्त मौलाना शमशुलहुदा खान अथवा विक्रेता की ओर से बैनामे से पूर्व राज्य सरकार से आवश्यक लिखित अनुमति लिए जाने का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जा सका। न्यायालय ने संबंधित विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि कानून के विपरीत किया गया ऐसा हस्तांतरण शून्य है और भूमि राज्य सरकार में निहित किए जाने योग्य है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि गाटा संख्या 154 मि. की 640 वर्गमीटर भूमि और उस पर किया गया निर्माण, यदि कोई हो, दो सितंबर 2014 की क्रय तिथि से सभी भारों से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगा। साथ ही अंतरक और अंतरिती के सभी हित समाप्त करते हुए राजस्व अभिलेखों में आवश्यक प्रविष्टियां किए जाने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में एसडीएम खलीलाबाद हृदयराम तिवारी ने बताया कि आदेश से हाईकोर्ट को अवगत कराया जाएगा। रिट याचिका संख्या 17032/2026 में हाईकोर्ट के निदेशों के अनुपालन में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी हो चुकी है प्रशासनिक कार्रवाई

इस मामले में इससे पहले भी प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई हो चुकी है। जिलाधिकारी ने 12 फरवरी 2024 को भूमि को राज्य सरकार में निहित करने का आदेश दिया था। बाद में मंडलायुक्त बस्ती के स्तर से मामला रिमांड किए जाने के बाद जिलाधिकारी ने 14 नवंबर 2025 को धारा 104 के तहत बैनामा शून्य मानते हुए संबंधित भूमि को सरकार में निहित कर दिया था। इसके बाद संस्था के निर्माण को स्थानीय प्रशासन की ओर से ध्वस्त करने की कार्रवाई भी शुरू की गई थी। इस आदेश के विरुद्ध संस्था की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। हाईकोर्ट ने 15 मई 2026 को संबंधित आदेशों को क्षेत्राधिकार के आधार पर निरस्त करते हुए एसडीएम खलीलाबाद को मामले के निस्तारण के लिए सक्षम प्राधिकारी मानते हुए नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद एसडीएम खलीलाबाद की कोर्ट में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 104/105 के तहत वाद दर्ज किया गया।

पुलिस ऑफिस में एसी से निकली चिंगारी, हड़कंप मचा, दमकल ने बुझाई आग

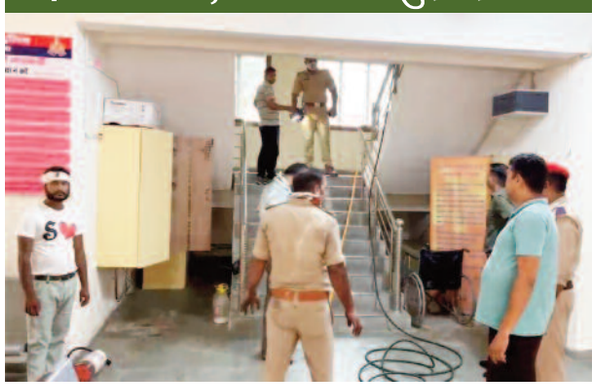

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। पुलिस ऑफिस में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब प्रथम तल पर स्थित एक कमरे में लगे एसी में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट के बाद एसी के समीप रखे कार्डबोर्ड ने आग पकड़ ली और कमरे से धुआं उठने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल दमकल विभाग को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। आग बुझने के बाद पुलिस और दमकल कर्मियों ने कमरे का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा श्लोक कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह एसी में हुआ शॉर्ट सर्किट सामने आई है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी भी सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ और न ही कोई व्यक्ति घायल हुआ।

कुंभ-2027 की सुरक्षा को लेकर तैयारियों में तेजी: मुख्य सचिव

सेक्टरवार निकासी योजना के साथ क्राउड मैनेजमेंट, ट्रैफिक और आपदा नियंत्रण की बनेगी समेकित योजना

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कुंभ मेला-2027 के दौरान संभावित आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए उत्तराखंड सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिवालय में आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों और जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ मेले के व्यापक स्वरूप को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मुख्य सचिव ने कहा कि कुंभ मेला-2027 के लिए आपातकालीन कार्ययोजना और क्षेत्र-विशिष्ट योजनाएं पहले से तैयार होनी चाहिए। उन्होंने पूरे कुंभ क्षेत्र की सेक्टरवार निकासी योजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही क्राउड मैनेजमेंट, ट्रैफिक प्लान, इवैक्यूएशन प्लान और फायर कंट्रोल मैकेनिज्म को एक-दूसरे से जोड़ते हुए समेकित आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने को कहा। मुख्य सचिव ने संभावित आपदाओं को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए। योजना में भूकंप, बाढ़ तथा रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल एवं परमाणु (सीबीआरएन) आपात स्थितियों से निपटने के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं निर्धारित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित आपदा के दौरान राहत और बचाव कार्य में देरी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए विभागों की जिम्मेदारियां पहले से तय करने के साथ आपसी समन्वय की व्यवस्था भी मजबूत की जाए। मुख्य सचिव ने बाढ़, भूकंप और सीबीआरएन आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल उपकरण खरीद लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका ऑपरेशनल होना, नियमित रखरखाव और संबंधित कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि आपदा के समय इस्तेमाल होने वाले उपकरणों और संसाधनों की समय-समय पर जांच की जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर वे पूरी तरह कार्यशील स्थिति में उपलब्ध रहें। मुख्य सचिव ने एटीएस को और मजबूत करने के निर्देश देते हुए कहा कि कुंभ मेले के पर्व और भीड़ के चरम समय को ध्यान में रखते हुए नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित की जाएं। इन अभ्यासों के माध्यम से आपात स्थिति में विभिन्न विभागों की प्रतिक्रिया, समन्वय और निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। उन्होंने मॉक ड्रिल के दौरान सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर करने और आवश्यक व्यवस्थाओं में सुधार करने पर भी जोर दिया। कुंभ मेला-2027 की व्यवस्थाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर भी मुख्य सचिव ने जोर दिया।

उन्होंने कहा कि मेले के दौरान विभिन्न विभागों से प्राप्त सूचनाओं, अनुभवों और महत्वपूर्ण आंकड़ों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि यह डेटाबेस भविष्य में बड़े धार्मिक एवं सार्वजनिक आयोजनों की योजना तैयार करने में उपयोगी साबित होगा। विभिन्न विभागों के बीच सूचना के त्वरित आदान-प्रदान और बेहतर निर्णय लेने के लिए आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया।

पुण्यतिथि पर हुआ भावपूर्ण स्मरण, दी भावभीनी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा के पिता जी स्व. रामसिंह वर्मा व माता जी स्व. ओमवती वर्मा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनका भावपूर्ण स्मरण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।वक्ताओं ने कहा कि स्व. रामसिंह वर्मा कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे। उनके पढ़ाए बच्चे आज विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। श्री वर्मा ने विकास खंड बलदेव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगलाबली के एनपीआरसी पद अपनी सेवाएं दीं। स्व. ओमवती वर्मा सामाजिक व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी।सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लेती थीं। मनीष कुमार वर्मा जिलाधिकारी प्रयागराज, विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा विनोद कुमार सिंह, ब्रजेश कुमार जिलाधिकारी औरैया, पंकज वर्मा सचिव मुरादाबाद विकास प्राधिकरण, अनिल कुमार सिंह उपायुक्त आवास मेरठ, सुधीर कुमार सिटी मजिस्ट्रेट सम्भल, धर्मेंद्र वर्मा बबलू राष्ट्रीय अध्यक्ष नरहरी सेना, शिव कुमार प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन, बलभद्र पीठाधीश्वर आचार्य विष्णु महाराज, आचार्य मनीष गगार्चार्य, विधायक शोहरत गढ़ विनय वर्मा, हरीश वर्मा, आचार्य चंद्रकांत शास्त्री, ज्योतिष सम्राट पूरन सोनी, आनंद स्वर्णकार, भगवती वर्मा, राजेश पाठक, अनुज उपमन्यु, डॉ.एनपी सिंह भरंगर, डॉ.जगदीश पाठक, देव अग्रवाल, चंद्रपाल सिंह देशवार, डॉ.वेद प्रकाश वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, मनीष बंसल, मदन पांडेय वैद्य, राकेश गोयल, राजेश पांडेय, अंकित वार्ष्णेय, सौरभ वार्ष्णेय, संजय धनगर, विजय उपाध्याय, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, नवीन वर्मा, अनिल स्वर्णकार, रामप्रकाश वर्मा व अजीत वर्मा आदि ने भावपूर्ण स्मरण कर श्रद्धांजलि दी है।

सांसद हेमा मालिनी के पत्र के दुरुपयोग से जालसाजी के मामले में मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। सांसद हेमा मालिनी के नाम और पत्र का कथित दुरुपयोग कर पूर्व सांसद राजेश कुमार दिवाकर के लिए आवास आवंटित कराने का प्रयास किए जाने के मामले में थाना सदर बाजार पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। मामले में सांसद हेमा मालिनी के प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा की ओर से शिकायत दी गई थी। एफआईआर के मुताबिक, सांसद कार्यालय को एक व्यक्ति के माध्यम से जानकारी मिली कि अशोक गुप्ता नामक व्यक्ति द्वारा जालसाजी कर सांसद के लेटरहेड पर पूर्व सांसद राजेश कुमार दिवाकर के लिए आवास आवंटित किए जाने का अनुरोध किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आवास आवंटन से संबंधित किसी पत्र पर सांसद हेमा मालिनी ने हस्ताक्षर नहीं किए और न ही उनकी ओर से ऐसा कोई पत्र किसी व्यक्ति को दिया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि पूर्व सांसद राजेश कुमार दिवाकर इस पूरे प्रकरण से व्यक्तिगत रूप से परिचित भी नहीं हैं। शिकायतकर्ता ने इसे स्पष्ट जालसाजी और आपराधिक धोखाधड़ी का मामला बताते हुए जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने 18 अगस्त 2026 को थाना सदर बाजार में एफआईआर संख्या 0255 दर्ज की है। मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) और 61(2) लगाई गई हैं। इन धाराओं में धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेज का इस्तेमाल और आपराधिक षड्यंत्र से जुड़े आरोप शामिल हैं। एफआईआर में पुलिस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब जांच में यह स्पष्ट किया जाएगा कि सांसद के लेटरहेड/पत्र का कथित तौर पर किसने इस्तेमाल किया, पत्र किस उद्देश्य से तैयार किया गया और आवास आवंटन के प्रयास में कौन-कौन लोग शामिल थे।

अवैध व जल-मिश्रित नकली शराब के साथ दो अभियुक्त किये गिरफ्तार, 51 अदद बोतलें व नकदी हुई बरामद

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। जिले में आबकारी विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अवैध और मिलावटी शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। दिनांक 19.08.2026 को उप आबकारी आयुक्त बस्ती प्रभार (बस्ती) एस.पी. पाण्डेय, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार, आबकारी निरीक्षक प्रवर्तन-01 बस्ती कमलकान्त यादव तथा आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-02 मेहदावल बसंत प्रसाद मय आबकारी टीम के साथ कम्पोजिट दुकान अब्बासगंज भिटिया का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में रखी संदिग्ध मदिरा की गहन जांच एल्कोहल मीटर से मौके पर की गई। जांच में मदिरा की तीव्रता मानक से कम पाई गई, जिससे स्पष्ट हुआ कि बोतलों, अध्धों और पौवों में पानी मिलाकर अवैध रूप से नकली शराब तैयार की जा रही थी। पुराने ढक्कन और क्यूआर कोड का उपयोग कर नए और खाली बोतलों में जल-मिश्रित शराब भरकर ग्राहकों को असली बताकर बेचा जा रहा था, जिससे सरकारी राजस्व की भारी क्षति हो रही थी और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था। मौके से कुल 51 अदद (बोतल, अध्धा और पौवा) जल-मिश्रित संदिग्ध मदिरा तथा दुकान की बिक्री से प्राप्त 28,212 रुपये नकद, सील मुहर, नमूना मुहर और निरीक्षण चेकलिस्ट की प्रतियां बरामद की गईं। लवी पुत्र विरेन्द्र कुमार, निवासी- करमापुर माफी (करमपुर माफी), थाना बीसलपुर, जनपद पीलीभीत (उत्तर प्रदेश), मनोज पाल पुत्र अहिबरन लाल, निवासी- उनौती, थाना टडियावा, जिला हरदोई को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। मामले में संलिप्त अन्य अभियुक्त आदित्य कुमार पुत्र राजित राम, निवासी- चकअली पुर शाह, थाना फतेहपुर, जनपद फतेहपुर का नाम भी प्रकाश में आया है। सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए अभियुक्तों को गिरफ्तार कर थाना दुधारा लाया गया। वादी आबकारी निरीक्षक बसंत प्रसाद की तहरीर पर थाना दुधारा में मुअसं: 347/26 धारा 318, 319 बीएनएस एवं 60/64 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मथुरा में युवती ने युवक को लाठी से पीटा, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मथुरा। एक युवक की लाठी-डंडे से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवती हाथ में मोटी लाठी लेकर सड़क पर एक युवक पर लगातार वार करती दिखाई दे रही है। वीडियो में कुछ लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, युवक को बचाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं, लेकिन युवती लगातार युवक पर लाठियां बरसाती रहती है। इस दौरान युवती युवक पर किसी लड़की से छेड़छाड़ करने और उसे हाथ लगाने का आरोप लगाती हुई सुनाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की मथुरा में वास्तविक लोकेशन और घटना की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। सोशल मीडिया पर इसे मथुरा के बलदेव थाना क्षेत्र के कारव गांव के आसपास का बताया जा रहा है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बलदेव विकास समिति अध्यक्ष ज्ञानेंद्र पांडेय की पत्नी शोभा पांडेय के निधन पर शोक की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। बलदेव विकास समिति के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र पांडेय की पत्नी शोभा पांडेय के निधन से बलदेव में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए। खडेरा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि काढू पांडेय ने दी। शोभा पांडेय धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहती थीं। वह भजन-कीर्तन व सत्संग में बढ़-चढ़कर हिस्सा स्वयं सत्संग करती थी। उनके आवास पर वर्षों से प्रत्येक रविवार व विभिन्न पर्वों पर भजन-सत्संग होता रहा है। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होती थीं। शोभा पांडेय धार्मिक आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं। उनके निधन से भजन-सत्संग से जुड़ी महिलाएं शोक में नजर आईं। शोभा पांडेय के निधन की खबर मिलते ही लोगों में शोक व्याप्त हो गया। आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित करने और परिजनों को सांत्वना देने के लिए लोगों के पहुंच रहे हैं। युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। स्थानीय राजेश पाठक, अनुज उपमन्यु, मदन पांडेय वैद्य, राकेश गोयल, संजीव गोयल, पूर्व चेयरमैन रामकृष्ण वर्मा, आचार्य मनीष गगार्चार्य, देव अग्रवाल, रामप्रकाश वर्मा आदि ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की।

त्योहारी सीजन में चीनी के दाम ने बिगाड़ा रसोई का बजट

20 दिन में करीब 20 रुपये बढ़े भाव, 45 से बढ़कर 65 रुपये किलो हुई चीनी, गुड़ भी 75-80 रुपये किलो पहुंचा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले चीनी के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों के साथ चाय और मिठाई कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले करीब 17-20 दिनों में चीनी के भाव में लगभग 20 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी बताई जा रही है। स्थानीय बाजार में जो चीनी करीब 45 रुपये किलो बिक रही थी, उसका भाव बढ़कर लगभग 65 रुपये किलो तक पहुंच गया है। अचानक हुई इस बढ़ोतरी से जहां घरेलू रसोई का बजट प्रभावित हुआ है, वहीं चाय और मिठाई कारोबारियों के सामने भी लागत बढ़ने की समस्या खड़ी हो गई है। दुकानदारों का कहना है कि त्योहारी सीजन में चीनी की मांग बढ़ने के साथ ही इसके दामों में लगातार इजाफा हो रहा है। आने वाले दिनों में रक्षाबंधन और इसके बाद दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार हैं। ऐसे में चीनी के भाव इसी तरह बढ़ते रहे तो मिठाइयों की लागत भी बढ़ना तय है। इसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ सकता है। चीनी के बढ़ते दामों का असर खुदरा कारोबार पर भी दिखाई देने लगा है। चाय की दुकानों पर दुकानदारों के अनुसार बिक्री में कमी देखने को मिल रही है। खुदरा दुकानों पर चीनी खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या में भी कमी आई है। दुकानदारों का कहना है कि लगातार बढ़ती लागत के कारण कारोबार का मुनाफा प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों के मुताबिक पिछले करीब 17 दिनों से चीनी के दाम में लगभग रोजाना बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। त्योहारी मांग बढ़ने के समय कीमतों में इस तरह की तेजी से आम उपभोक्ता के साथ-साथ छोटे कारोबारियों की मुश्किलें भी बढ़ रही हैं। चीनी के साथ गुड़ के दाम में भी तेजी बनी हुई है। स्थानीय बाजार में गुड़ की कीमत करीब 75 से 80 रुपये किलो तक पहुंचने की बात सामने आ रही है। इससे उन परिवारों और कारोबारियों का बजट भी प्रभावित हो रहा है, जो चीनी के विकल्प के रूप में गुड़ का इस्तेमाल करते हैं।

चीनी और गुड़ की बढ़ती कीमतों के बीच स्थानीय लोगों में एथेनॉल नीति को लेकर भी चर्चा है। कुछ लोगों का मानना है कि गन्ने के रस और सिरप का उपयोग एथेनॉल उत्पादन में होने से चीनी के उत्पादन और आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। उनका कहना है कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के लिए गन्ने के उपयोग के साथ सरकार को चीनी और गुड़ जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की कीमतों पर भी ध्यान देना चाहिए। हालांकि, एथेनॉल नीति को ही चीनी की मौजूदा कीमत बढ़ने का कारण मानने की पुष्टि इस रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों से नहीं होती है। कुछ लोगों ने इसके पीछे भारी बारिश के कारण गन्ने की फसल प्रभावित होने की संभावना भी जताई है।

प्रतापगढ़ के भगौतीगंज बाजार में चीनी के बढ़ते दामों को लेकर ग्राहकों और दुकानदारों के बीच चर्चा होती रही। लोगों ने रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई। उनका कहना है कि चीनी जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तु के दाम में लगातार वृद्धि से सीधे घरेलू बजट पर असर पड़ता है।

राज्य मंत्री हंस राज विश्वकर्मा ने सौरभ विश्वकर्मा के परिजनों से की मुलाकात, शोक संतप्त परिवार को बंधाया ढांढस

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम विभाग के राज्य मंत्री हंस राज विश्वकर्मा ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन पहुंचकर स्वर्गीय सौरभ विश्वकर्मा के शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। राज्य मंत्री ने कहा कि अपनों को खोने का दुख अत्यंत पीड़ादायक होता है। दुख की इस घड़ी में वह शोकाकुल परिवार के साथ हैं। उन्होंने परिजनों से घटना और परिवार की वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी ली तथा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। राज्य मंत्री हंस राज विश्वकर्मा ने परिजनों को आश्वासन दिया कि वह इस मामले में मुख्यमंत्री से वार्ता करेंगे। साथ ही शोक संतप्त परिवार की मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने का प्रयास भी करेंगे, ताकि परिवार की समस्याओं और आवश्यकताओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधि परिवार की हरसंभव मदद के लिए प्रयास करेंगे। राज्य मंत्री ने परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की भी अपील की। राज्य मंत्री से मुलाकात के दौरान सौरभ विश्वकर्मा के पिता मोती लाल विश्वकर्मा, माता हीरावती और पत्नी आंचल विश्वकर्मा मौजूद रहीं। इस दौरान विश्वनाथगंज विधायक जीत लाल पटेल, उपजिलाधिकारी, गाजीपुर के मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा, जौनपुर के जिला पंचायत सदस्य राधेश्याम विश्वकर्मा, जिला पंचायत प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा, भाजपा महामंत्री राजेश सिंह, पूर्व जिला मंत्री भाजपा राम प्रसाद विश्वकर्मा, भाजपा नेता सूर्य प्रकाश पटेल, अजय सिंह, पवन कुमार विश्वकर्मा, पूनम विश्वकर्मा और ओम प्रकाश विश्वकर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में बुजुर्ग पर जानलेवा हमला मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी 71 वर्षीय बुजुर्ग ने खेत की चकरोड काटने और पानी की नाली ठीक करने को लेकर हुए विवाद में पिता-पुत्र पर फावड़े व दांती से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस पर भी कार्रवाई में लापरवाही बरतने और खून से सने कपड़े व शरीर से खून साफ कराने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी ब्रजपाल पुत्र ज्ञानी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी तहरीर में बताया कि विगत 14 अगस्त की सुबह करीब 8:30 बजे वह अपने खेत में काम कर रहा था। आरोप है कि इसी दौरान गांव निवासी विनोद पुत्र सुखबीर और उसका पुत्र अंकुर सैनी ने उसके खेत की चकरोड काट दी। ब्रजपाल के अनुसार वह अपनी पानी की नाली को बचाने के लिए मिट्टी डालकर उसे ठीक कर रहा था। इसी दौरान दोनों आरोपियों ने उसे ललकारते हुए गाली-गलौज की और फावड़े व दांती से हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित ने बताया कि उसने घटना की सूचना फोन से परिजनों को दी, जिसके बाद परिवार और ग्रामीण उसे मौके से उठाकर थाने ले गए। आरोप है कि थाने पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने उसके खून से सने कपड़े और शरीर पर लगे खून को जबरन साफ कराया तथा उसे धमकाया। बाद में एक अन्य पुलिसकर्मी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही गई और पुलिसकर्मी उसे चिकित्सकीय परीक्षण के लिए अस्पताल ले गया। पीड़ित के अनुसार मेडिकल हुए पांच दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

'मेरा रेशम, मेरा अभियान' में काश्तकारों को किया जागरूक

रेशम कीट का पालन कर रेशम उत्पादन बढ़ाने को लेकर किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। जिले में रेशम उत्पादन बढ़ाने और उत्पादकों की आय बढ़ाने को लेकर 'मेरा रेशम, मेरा अभियान' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रेशम क्षेत्र से जुड़े किसानों, ग्रामीणों एवं स्थानीय समुदाय को जागरूक करने तथा रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्रीय रेशम बोर्ड एवं राज्य रेशम विभाग के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।वही विभाग द्वारा बागेश्वर जिले में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में रेशम उत्पादन, किसानों की भागीदारी तथा रेशम क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. विक्रम कुमार, वैज्ञानिक-सी के.एस. चौहान, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, बृजेश रतूड़ी, जिला नोडल अधिकारी तथा कमलेश कुमार, ब्लॉक नोडल अधिकारी की उपस्थिति में काश्तकारों को जागरूक किया गया। साथ ही संबंधित गांवों के सरपंचों ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर सक्रिय सहभागिता की।अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए रेशम उत्पादन को आजीविका के बेहतर अवसर के रूप में विकसित करने तथा अधिक से अधिक किसानों को इस अभियान से जोड़ने पर जोर दिया। '२मेरा रेशम, मेरा अभियान' के माध्यम से बागेश्वर जिले में रेशम क्षेत्र को नई गति देने और जमीनी स्तर पर किसानों एवं ग्रामीण समुदाय की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के आगामी चरणों में भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता एवं सहभागिता को और मजबूत किया जाएगा।

नगर पालिका कर्मचारियों पर भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप

कांधला (वेलकम इंडिया)। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष डॉ. रश्मिकांत जैन ने नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों पर समाजवादी पार्टी की मानसिकता के अनुरूप कार्य करने और भाजपा कार्यकताओं का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर उच्चाधिकारियों से मामले की जांच कराने की मांग की है।मोहल्ला शेखजादगान निवासी डॉ. रश्मिकांत जैन ने वीडियो में आरोप लगाया कि सफाई व्यवस्था के नाम पर लोगों का उत्पीड़न करने के साथ सरकारी धन का भी दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने रेलवे रोड का उदाहरण देते हुए कहा कि नाले की पूरी सफाई कराने के बजाय भाजपा कार्यालय के सामने बीच हिस्से से ही सिल्ट निकालकर छोड़ दी गई है। दोनों ओर सफाई नहीं होने से गंदा पानी जमा रहने और मच्छरों के प्रकोप से बीमारी फैलने का खतरा बना रहेगा। उन्होंने अधिकारियों से पालिका कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की जांच कर कार्रवाई की मांग की। वहीं, नगरवासियों ने भी नालों की बेहतर सफाई और अतिक्रमण हटाने की मांग की है।नगर पालिका के स्वास्थ्य लिपिक अमरीश कुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। जानकारी कर जांच कराई जाएगी और समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

रसूलपुर में कूड़े का अंबार, दुर्गंध और बीमारी का बढ़ा खतरा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत रसूलपुर में जगह-जगह कूड़े का अंबार लगा होने से ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से जमा कचरे से दुर्गंध फैल रही है तथा आसपास गंदगी का वातावरण बना हुआ है। इससे विभिन्न प्रकार की बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कचरा उठाने के लिए लाखों रुपये की लागत से कूड़ा घर बनाए जाने के बावजूद नियमित रूप से कचरा उठाने और उसका उचित निस्तारण करने की व्यवस्था प्रभावी नहीं है। सफाई व्यवस्था में लापरवाही के कारण सड़क और आसपास के क्षेत्रों में कूड़ा फैलता जा रहा है। इस मामले को लेकर नव युवक ग्राम विकास समिति के संरक्षक एवं समाजसेवी राम वृक्ष गुप्ता जी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर से मामले की जांच कराने तथा लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध उचित एवं कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। समाजसेवी राम वृक्ष गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। गांवों में सफाई व्यवस्था नियमित और प्रभावी होनी चाहिए, ताकि ग्रामीणों को गंदगी, दुर्गंध और बीमारियों के खतरे से बचाया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण कराने, कूड़े की सफाई कराने तथा नियमित कचरा उठान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। जनहित में सवाल यही है–जब कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था के लिए धन खर्च किया गया है, तो फिर गांव में कूड़े का यह अंबार क्यों? संबंधित विभाग को इस मामले में शीघ्र कार्रवाई कर ग्रामीणों को राहत दिलानी चाहिए।

सड़क पर जगह-जगह जलभराव और कीचड़ से राहगीर परेशान

कांधला (वेलकम इंडिया)। विकासखंड क्षेत्र की देहात कॉलोनी स्थित बिजलीघर बस्ती में सड़क पर जलभराव और कीचड़ की समस्या से स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर कई दिनों से पानी जमा होने के कारण रास्ते पर जगह–जगह कीचड़ फैल गया है। इससे लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है ।बस्ती निवासी नौशाद ने बताया कि सड़क पर जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। बारिश होने के बाद स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। सड़क पर पानी जमा होने के साथ ही कीचड़ फैलने से आने–जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा भी बना रहता है ।नौशाद के अनुसार, समस्या के समाधान के लिए कई बार ग्राम प्रधान और विकासखंड के कर्मचारियों से शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद अभी तक जलनिकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी समस्या की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं ।ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर लंबे समय से पानी जमा रहने के कारण आसपास गंदगी और दुर्गंध की स्थिति भी पैदा हो रही है। इससे लोगों को संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका सता रही है। स्थानीय लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कराकर जलनिकासी की व्यवस्था कराने और सड़क से कीचड़ हटवाने की मांग की है।

विद्युत टीम से अभद्रता, मोबाइल छीनने का प्रयास का आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र की इदरीश बैग बिहार कॉलोनी में विद्युत बिल का बकाया वसूलने गई विद्युत विभाग की टीम के साथ एक उपभोक्ता के परिजन द्वारा अभद्रता करने और मोबाइल छीनने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। मामले में विद्युतकर्मी ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विद्युतकर्मी सुमित पंवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर वह देवराज, अंकित व अन्य कर्मचारियों के साथ बकायेदार उपभोक्ताओं से बिल की वसूली करने और विद्युत वितरण का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान टीम इदरीश बैग बिहार निवासी दिलशाद के परिसर पर बकाया बिल जमा कराने के लिए पहुंची। आरोप है कि वहां मौजूद दिलशाद के पुत्र नासिर ने बकाया जमा करने से इनकार करते हुए दोबारा वसूली के लिए घर आने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी ।तहरीर के अनुसार विद्युतकर्मी ने कहा कि विभागीय निर्देश पर वह बकाया वसूली के लिए दोबारा भी आएंगे और उपभोक्ता को बिल जमा करने के लिए कहा। इस पर नासिर कथित रूप से आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करते हुए विद्युतकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने लगा। आरोप है कि उसने अन्य लोगों को भी मौके पर बुलाना शुरू कर दिया और टीम के एक सदस्य का मोबाइल छीनने का प्रयास किया। विद्युतकर्मियों ने घटना की वीडियो भी बनाए जाने की बात कही है ।मौके की स्थिति बिगड़ती देख विद्युतकर्मी वहां से निकल गए और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित की। पीड़ित विद्युतकर्मी ने थाना कांधला में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बारिश के बीच कलश वंदन यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चल रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को नगर में कलश वंदन यात्रा पहुंची। बारिश के बावजूद सैकड़ों श्रद्धालुओं और महिलाओं ने यात्रा का उत्साह के साथ स्वागत किया। पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल ने यात्रा का स्वागत कर संत रविदास महाराज के चरणों की पवित्र मिट्टी के दर्शन और पूजन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संत रविदास के समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सह-संयोजक एवं भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष बादल गौतम ने कहा कि संत रविदास के बताए मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। इस दौरान ग्राम प्रधान साबिर अली, रश्मिकांत जैन, प्रतिभा उर्फ सिमरन, नीरज मलिक, अशोक चौहान, रवि टांक, दीपक गुप्ता, सतवीर, अनिल बोहरा, गौरव चौधरी और घनश्याम पारचा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एआरटीओ मे 105 स्कूली वाहन चालकों का हुआ स्वास्थ्य और नेत्र परीक्षण

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन को लेकर प्रदेश सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 के तहत गुरुवार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, सिद्धार्थनगर में स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 105 स्कूली वाहन चालकों का स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण किया गया नेत्र सर्जन डॉ. अंबिका राय और डॉ. हरिश्चंद्र तथा उनकी टीम ने चालकों की आंखों की जांच की। परीक्षण के बाद चालकों को स्वास्थ्य परीक्षण कार्ड जारी किए गए और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 का दूसरा चरण 11 से 25 अगस्त तक चलाया जा रहा है। इसके तहत स्कूली वाहनों की फिटनेस, चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण, चरित्र प्रमाणपत्र और वाहनों में परिचर की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ।परिचर की जिम्मेदारी बच्चों को सुरक्षित तरीके से वाहन में चढ़ाने और उतारने की होती है। उन्होंने बताया कि जिले में 45 स्कूली वाहन अनफिट पाए गए थे, जिनमें अधिकांश की फिटनेस दुरुस्त कर प्रमाणपत्र जारी किया जा चुका है। शेष वाहनों पर भी कार्रवाई की जा रही है। शिविर में बस्ती के आरटीओ (प्रशासन) फरीद्दीन, आरटीओ (प्रवर्तन) सुरेश कुमार, पीटीओ मुजफ्फर हुसैन सिद्दीकी, हुदा, रघुवर यादव, अजय कुमार श्रीवास्तव तथा परिवहन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

जलभराव के बीच निकली महिला की शवयात्रा, वीडियो हुई वायरल

कांधला (वेलकम इंडिया)। विकासखंड क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग पर लंबे समय से जलभराव और कीचड़ की समस्या बनी हुई है। गुरुवार को इसी मार्ग से एक महिला की शवयात्रा जलभराव और कीचड़ के बीच से होकर कब्रिस्तान पहुंची। इस दौरान किसी व्यक्ति ने शवयात्रा का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद जलभराव की समस्या को लेकर लोगों में चर्चा शुरू हो गई। विकासखंड क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग निवासी हुसन पत्नी जमशेद की गुरुवार को आकस्मिक मौत हो गई। परिजन और आसपास के लोग शव सपुर्द ए खाक के लिए शवयात्रा लेकर कब्रिस्तान की ओर निकले। मार्ग पर जलभराव और कीचड़ होने के कारण शवयात्रा में शामिल लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों ने पानी और कीचड़ के बीच से शवयात्रा को कब्रिस्तान तक पहुंचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग पर काफी समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। शिकायतों के बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। विकासखंड सचिव अनुज तोमर ने बताया कि जलभराव की शिकायत मिलने पर पंप सेट लगवाकर पानी निकलवाया गया था। समस्या के स्थायी निस्तारण के लिए जल्द पाइपलाइन बिछाने का कार्य कराया जाएगा। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में भी भेज दिया गया है।

2027 में भाजपा को हटाकर समाजवादी सरकार बनाना पीडीए के हित में: रामआसरे विश्वकर्मा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने पहड़िया स्थित सुरभि होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को हटाकर अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना ही पीडीए वर्ग के हित में है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और विश्वकर्मा समाज के साथ लगातार अन्याय हुआ है। रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा ने जनता को अच्छे दिनों का सपना दिखाकर सत्ता हासिल की, लेकिन महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी और किसानों की समस्याएं कम नहीं हुईं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से छात्र और नौजवान भी परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और रोजगार की मांग को लेकर आंदोलन करने वाले छात्रों एवं नौजवानों के साथ लाठीचार्ज किया गया तथा उन्हें न्याय दिलाने के बजाय सरकार उनकी आवाज दबाने का प्रयास कर रही है।

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपराध की घटनाओं पर सरकार प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए वर्ग के लोगों के साथ होने वाली हत्या, दुष्कर्म और अन्य घटनाओं को लेकर सरकार को गंभीरता से काम करने की जरूरत है। उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए फर्जी मुकदमों, कथित फर्जी मुठभेड़ों और पुलिस हिरासत में मौतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई में भी जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव किया जा रहा है। रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि पीडीए वर्ग को न्याय और सम्मान तभी मिल सकता है, जब सरकार में उनकी प्रभावी भागीदारी हो।

रामआसरे विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा समाज से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विश्वकर्मा समाज के लोगों के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में विश्वकर्मा समाज के हित में किए गए कार्यों को भाजपा सरकार ने समाप्त कर दिया। उन्होंने विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर अवकाश, विश्वकर्मा समाज के युवाओं को आईटीआई प्रमाण पत्र तथा कुटीर उद्योग के लिए जमीन के पट्टे से जुड़े फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन व्यवस्थाओं को समाप्त किए जाने से समाज को नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को विश्वकर्मा समाज के युवाओं को केवल पारंपरिक काम तक सीमित रखने के बजाय शिक्षा, रोजगार और आधुनिक कौशल के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। सपा नेता ने सरकारी भर्तियों और आरक्षण को लेकर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी भर्तियों में पिछड़े एवं दलित वर्ग के आरक्षित पदों को लेकर गंभीर अनियमितताएं हुई हैं।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने मनाई राजीव गांधी की जयंती

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। नरिया स्थित चौधरी लॉन में गुरुवार, 20 अगस्त को भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 82वीं जयंती कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के लिए उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के शिल्पकार और युवा शक्ति के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने शिक्षा, तकनीक, कंप्यूटर, पंचायत सशक्तीकरण, शांति और सद्भाव के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 21वीं सदी के भारत की मजबूत नींव रखने का कार्य किया। राघवेंद्र चौबे ने कहा कि राजीव गांधी के प्रयासों से देश में कंप्यूटर और तकनीक के क्षेत्र में नई दिशा मिली। उन्होंने युवाओं की भूमिका को महत्व देते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर जोर दिया। पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में भी उनके प्रयास महत्वपूर्ण रहे। उन्होंने कहा कि आज जिस आधुनिक और तकनीक आधारित भारत की तस्वीर दिखाई देती है, उसकी आधारशिला मजबूत करने में राजीव गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने एकता, प्रगति, शांति और सामाजिक सद्भाव को प्राथमिकता देते हुए देश को नई दिशा देने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने युवाओं और रोजगार से जुड़े विषयों पर भी विशेष ध्यान दिया। उनके विचार और कार्य आज भी युवाओं को आगे बढ़ने तथा देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के साथ ही विकास और सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। इस अवसर पर संजीव सिंह, ओमप्रकाश ओझा, वीरेंद्र कपूर, अनुराधा यादव, डॉ. उमेश चंद, शशि भूषण सिंह, अरुण सोनी, सतनाम सिंह, वकील अंसारी, देवेंद्र सिंह, तेजबहादुर, दीप विश्वकर्मा, मंगल कश्यप, गोपाल चौबे और शमशाद खान सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मक्का-मदीना की जियारत को रवाना हुए नसीम और शहजाद, ग्रामीणो ने दुआओं के साथ दी विदाई

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। नगर से दो जायरीन नसीम सलमानी और शहजाद अली गुरुवार को उमराह के पवित्र सफर के लिए रवाना हुए। दोनों जायरीन मुंबई से हवाई मार्ग के जरिए सऊदी अरब पहुंचेंगे और मक्का शरीफ व मदीना शरीफ की जियारत करेंगे। उनके रवाना होने की खबर पर बड़ी संख्या में नगरवासी एकत्र हुए और फूल मालाएं पहनाकर उन्हें उमराह की मुबारकबाद दी।जायरीनों की विदाई का सिलसिला ईदगाह से शुरू हुआ। इसके बाद काफिला मेन रोड से होते हुए आगे बढ़ा। रास्ते में लोगों ने दोनों जायरीनों पर फूल बरसाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान माहौल पूरी तरह धार्मिक और भावुक नजर आया। लोगों ने नसीम सलमानी और शहजाद अली से हाथ मिलाकर तथा गले मिलकर उन्हें मुबारकबाद दी और पवित्र स्थलों पर अपने लिए भी दुआ करने की गुजारिश की। इस अवसर पर मो. शारिक ने दोनों जायरीनों को गुलाब की फूल मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उमराह का सफर हर मुसलमान के लिए बेहद मुकद्दस और सौभाग्य की बात है। उन्होंने दोनों जायरीनों की सलामती, सफल यात्रा और उमराह की कबूलियत के लिए दुआ की।जायरीनों के साथ मौजूद लोगों ने भी अल्लाह से उनके सफर को आसान बनाने, मक्का–मदीना में इबादत कबूल होने तथा खैरियत के साथ घर वापसी की दुआ की। विदाई के दौरान कई लोग भावुक भी नजर आए।

महंगाई पर धनपति वर्मा का भयंकर हमला, बोले–जनता की कमर तोड़ रही सरकार की नीतियां

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एडवोकेट धनपति वर्मा ने गुरुवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में व्यापक जनसंपर्क कर महंगाई के मुद्दे पर सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है और गरीब से लेकर मध्यम वर्ग तक हर परिवार लगातार आर्थिक दबाव झेलने को मजबूर है। एडवोकेट धनपति वर्मा ने विधानसभा क्षेत्र के भिंडारा, गिधौर, टोडरपुर, बहे, हुलकरी ढकिया, सूरजपुर, तुर्कपुर बढ़वार, निवाड़ ऐंठपुर, महचंदी, महचंदी गौटिया, बहादुरगंज, दौलतपुर पट्टी, भोपतपुर, मसीत, प्रताप डांडी, जटपुरा, दिनगरा एवं राफियापुर में जनसंपर्क एवं भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जरूरतों के सामान के बढ़ते दामों ने लोगों का घरेलू बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य पदार्थ, चीनी और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर गरीब, किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। जनता कमाई बढ़ने का इंतजार कर रही है, लेकिन खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। धनपति वर्मा ने तीखे अंदाज में कहा कि सरकार को आंकड़ों और दावों से बाहर निकलकर जमीन पर जनता की परेशानी देखनी चाहिए। महंगाई पर तत्काल प्रभावी नियंत्रण के साथ आम लोगों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और आम जनता की आवाज बनकर संघर्ष करती रही है। महंगाई, बेरोजगारी और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।उन्होंने दावा किया कि जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है और आगामी विधानसभा चुनाव में बढ़ती महंगाई तथा जनविरोधी नीतियों का जवाब अपने मताधिकार से देगी। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने भी स्थानीय समस्याओं और महंगाई को लेकर अपनी चिंताएं उनके सामने रखीं। धनपति वर्मा का संदेश साफ था जनता की जेब पर बढ़ता बोझ अब बर्दाश्त से बाहर है और महंगाई के खिलाफ आवाज और बुलंद की जाएगी।

हत्या मामले में छह दोषियों को 10-10 साल की सजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत बुलंदशहर पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते हत्या के मामले में न्यायालय ने छह आरोपियों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने सभी दोषियों पर 81-81 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। मामला वर्ष 2023 का अनूपशहर क्षेत्र से जुड़ा है। मौहल्ला गढ़ी निवासी जहीर, रहीस, कासिम उर्फ कासिफ, आमिर, फैजान और सोरिब पर इरफान के साथ सरिया से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप था। गंभीर हालत में इरफान को उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में 7 दिसंबर 2023 को थाना अनूपशहर में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की विवेचना पूरी करते हुए साक्ष्य एकत्र किए और 2 मार्च 2024 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। मामले को ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत चिन्हित किया गया। इसके बाद बुलंदशहर पुलिस के मॉनीटरिंग सेल ने मुकदमे की लगातार निगरानी करते हुए न्यायालय में प्रभावी पैरवी की।

20 अगस्त 2026 को एडीजे-05 बुलंदशहर न्यायालय में न्यायाधीश मौ. नसीम ने मामले में सुनवाई के बाद छहों आरोपियों को दोषसिद्ध करार दिया। न्यायालय ने प्रत्येक दोषी को 10 वर्ष के कठोर कारावास और 81 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस के अनुसार अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता विमल कुमार, मॉनीटरिंग सेल प्रभारी निरीक्षक पंकज राय, पैरोकार हेड कांस्टेबल रोहित तथा कोर्ट मोहर्रिर कांस्टेबल संदीप कुमार की प्रभावी पैरवी की इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नागफनी में अमन कमेटी की बैठक, सावन के अंतिम सोमवार और ईद मिलादुन्नबी पर शांति की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। नागफनी थाना क्षेत्र स्थित मुस्कान शादी हॉल में आगामी सावन के अंतिम सोमवार और जश्ने ईद मिलादुन्नबी को लेकर अमन कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने की। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं, व्यापारियों और समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। लोगों ने अपने-अपने क्षेत्रों में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि नागफनी क्षेत्र में सभी धर्मों के लोग मिलजुलकर त्योहार मनाते हैं और यहां वर्षों से शांतिपूर्ण माहौल में कार्यक्रम संपन्न होते आए हैं। वक्ताओं ने बताया कि सावन के अंतिम सोमवार को क्षेत्र के प्रसिद्ध 84 घंटा मंदिर और झारखंडी वाला मंदिर में बड़ी संख्या में शिवभक्त जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। वहीं आगामी दिनों में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस भी निकाला जाएगा। दोनों आयोजनों में आपसी सहयोग और सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया गया। थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी लोगों से आपसी भाईचारा और सहयोग बनाए रखने की अपील की। बैठक में स्थानीय लोगों ने सड़क, बिजली और पानी से जुड़ी समस्याएं भी रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय का आश्वासन दिया गया। बैठक में दरोगा नरेश कुमार, एसएसआई सनूज नागर, दरोगा तेजेन्द्र बालियान, दरोगा केशव त्यागी, चौकी इंचार्ज मोहित शर्मा, कांस्टेबल बालेश्वर, हेड कांस्टेबल शेखर मलिक, आकाश भानु, एडवोकेट अतुल सोती, मौलाना दानिश, मुफ्ती इंतेसाब कादरी, रिजवान, सय्यद महसूब आलम, मोहम्मद अनवार मलिक, केसर कुद्दुसी, हाजी अनवार, पप्पू, हाजी जावेद, अबरार, इमाम शराफत हुसैन नाइमी, तनवीर, हाजी यासीन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जहांगीराबाद में 20 बीघा अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जहांगीराबाद में बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण (बीकेडीए) ने अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। जहांगीराबाद-शिकारपुर रोड स्थित चांदोक दोराहे के पास करीब 20 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को बीकेडीए की टीम ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस, होमगार्ड और बीकेडीए की टीम मौके पर मौजूद रही। अधिकारियों के अनुसार, संबंधित प्लॉटिंग का नक्शा स्वीकृत नहीं कराया गया था, जिसके चलते नियमानुसार कार्रवाई की गई। बीकेडीए ने लोगों से अपील की है कि वे अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें और जमीन खरीदने से पहले कॉलोनी एवं मानचित्र की वैधता की जांच अवश्य करें।

गढ़वा खेड़ा-सेहरामऊ मार्ग बदहाल, गड्ढों में तब्दील हुई सड़क

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोरा,पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में गढ़वा खेड़ा से सेहरामऊ उत्तरी जाने वाला हाईवे लिंक मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे राहगीरों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से हालात और भी खतरनाक हो जाते हैं। इससे वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता और हादसे का खतरा लगातार बना रहता है। यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों के लिए आवागमन का प्रमुख रास्ता है। रोजाना बड़ी संख्या में लोग बाइक, साइकिल, चारपहिया और अन्य वाहनों से इसी सड़क से होकर गुजरते हैं। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण सबसे अधिक परेशानी बाइक सवारों को उठानी पड़ रही है। अचानक गड्ढा सामने आने पर वाहन का संतुलन बिगड़ने से कई राहगीर चोटिल भी हो चुके हैं।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की हालत लंबे समय से खराब है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बारिश के दिनों में स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि गड्ढे पानी से लबालब हो जाते हैं और पूरी सड़क पर खतरा मंडराने लगता है। मजबूरी में वाहन चालक सड़क के किनारे से निकलते हैं, जिससे सामने से आने वाले वाहनों से टक्कर की आशंका बनी रहती है। रात के समय समस्या और गंभीर हो जाती है। अंधेरे में गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण वाहन चालक अचानक उनमें गिर सकते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों को सड़क की दुर्दशा से अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने आला अधिकारियों से तत्काल सड़क का स्थलीय निरीक्षण कराकर गड्ढों को भरवाने और मार्ग की आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदारों की नींद खुलेगी। ग्रामीणों ने जनहित में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

स्याना पुलिस ने हिरासत में ली अभियुक्ता

स्याना/बुलंदशहर (वेलकम इंडिया)। स्याना पुलिस ने रिहाना निवासी जनपद फरीदाबाद (हरियाणा) को हिरासत में लेते हुए अग्रिम कार्रवाई की है। स्याना कोतवाल रामनारायण सिंह ने मीडिया को उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र के ग्राम किसौला निवासी श्रीमती कमलेश देवी की लिखित तहरीर के आधार पर रिहाना, रमन, रमन की पत्नी, मौहम्मद शाहआलम व उसकी पत्नी स्थायी निवासी मधुबनी बिहार व कमल समस्त हाल निवासी न्यू इन्डस्ट्रियल टाउनशिप फरीदाबाद तथा मौजूदा ग्राम प्रधान किसौला, सोनू, ग्राम सचिव ब्लॉक स्याना, तथा अज्ञात द्वारा वादिया के पूर्व में मृत पुत्र विष्णु त्यागी का धोखाधड़ी व जालसाजी कर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर वादिया के पुत्र व वादिया की सम्पत्ति पर अपना दावा व कब्जा करना व वादिया द्वारा विरोध करने कर जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में पंजीकृत होकर विवेचना उपनिरीक्षक कुंवर सिंह द्वारा सम्पादित की जा रही है। मुखबिर की सूचना पर लोहा पुल से किसौला की तरफ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामनारायन सिंह की अगुवाई में उपनिरीक्षक कुंवर सिंह, महिला कांस्टेबल करिश्मा व प्रीति तथा हैड कांस्टेबल पुष्पेन्द्र राठी ने अभियुक्ता रिहाना को हिरासत में ले लिया। अभियुक्ता से अभियोग के सम्बन्ध मे पूछताछ की गयी तो अभियुक्ता ने स्वीकार किया कि उसने विष्णु का फर्जी आधार कार्ड व मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया था, जिससे वह विष्णु के हिस्से की जमीन अपने नाम करा सके। बताया कि कुछ कागजात लेने ग्राम किसौला आयी थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह ने बताया कि अभियुक्ता रिहाना उपरोक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

खाद्य विभाग ने 1500 लीटर दूध और 200 किलो पनीर किया नष्ट

बुलंदशहर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गुरुवार को स्याना और खुर्जा तहसील क्षेत्र में मिठाई व डेयरी प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। नरसेना स्थित मिठाई कारखाने से बर्फी और रसगुल्ले के एक-एक नमूने लिए गए। वहीं ग्राम डॉवर स्थित गणेश डेयरी से पनीर का एक तथा दूध के दो नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए। निरीक्षण के दौरान अस्वच्छ स्थिति में रखे करीब 1500 लीटर दूध और 200 किलो पनीर को मानव उपभोग के योग्य नहीं पाए जाने पर विक्रेता की सहमति से नष्ट कराया गया। साथ ही गणेश डेयरी की खाद्य अनुज्ञप्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई। सभी पांच नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई सहायक आयुक्त खाद्य ममता चौधरी के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार राय के नेतृत्व में की गई।

चंदिया हजारा में मोबाइल नेटवर्क की बदहाली, ग्राम प्रधान ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत चंदिया हजारा और आसपास के गांवों में लंबे समय से मोबाइल नेटवर्क की खराब व्यवस्था ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। नेटवर्क की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान वासुदेव कुंडू ने केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद को शिकायती पत्र भेजकर क्षेत्र में मोबाइल संचार व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

ग्राम प्रधान ने पत्र में बताया कि चंदिया हजारा सहित आसपास के ग्राम समूहों में विभिन्न मोबाइल कंपनियों के टावर लगे हुए हैं, लेकिन पिछले करीब एक वर्ष से नेटवर्क और संचार व्यवस्था ठीक नहीं है। नेटवर्क कमजोर होने के कारण ग्रामीणों को मोबाइल पर बातचीत करने के साथ ही इंटरनेट चलाने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।शिकायती पत्र के अनुसार क्षेत्र में करीब 20 हजार मोबाइल उपभोक्ता विभिन्न कंपनियों की सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। ग्रामीण नियमित रूप से रिचार्ज कराने के बावजूद डेटा का सही उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। कई बार मोबाइल में नेटवर्क नहीं होने के कारण इंटरनेट सेवा बाधित रहती है, जबकि रिचार्ज की वैधता और डेटा समाप्त हो जाता है। ग्राम प्रधान का आरोप है कि उपभोक्ता 5जी सेवा का रिचार्ज कराने के बावजूद कई स्थानों पर 3जी स्तर की सेवा भी ठीक से प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं।ग्राम प्रधान ने बताया कि नेटवर्क की खराबी का असर विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई, किसानों के जरूरी काम, बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान और जनसेवा केंद्रों से जुड़े कार्यों पर भी पड़ रहा है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण बेहतर मोबाइल नेटवर्क को सुरक्षा और आपातकालीन संचार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बताया गया है।ग्राम प्रधान वासुदेव कुंडू ने केंद्रीय राज्यमंत्री से मामले की जांच कर संबंधित मोबाइल कंपनियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने तथा टावरों की तकनीकी खामियां दूर कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने उपभोक्ताओं से वसूली जा रही धनराशि के अनुरूप बेहतर नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई है।पीलीभीत के सीमावर्ती क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या पहले भी सामने आती रही है और संचार व्यवस्था मजबूत करने के प्रयास किए गए हैं।

इलाज के नाम पर आर्थिक शोषण का आरोप, निजी अस्पताल के खिलाफ जांच की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर में एक निजी अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर अहीद खां ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि अस्पताल में इलाज के नाम पर क्षेत्रीय मरीजों से आर्थिक शोषण किया जा रहा है और नियमों को दरकिनार कर चिकित्सा कार्य कराए जा रहे हैं। अहीद खां ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि अस्पताल में बाहर के डॉक्टरों के नाम का इस्तेमाल कर बिना संबंधित डिग्री वाले चिकित्सकों से इलाज, ऑपरेशन और प्रसव तक कराए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने अस्पताल के संचालन को निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होने का भी आरोप लगाया है।शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो यह सीधे तौर पर मरीजों की जिंदगी और स्वास्थ्य से जुड़ा बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से अस्पताल की पूरी व्यवस्था की जांच कराने के साथ-साथ वहां इलाज करने वाले चिकित्सकों की डिग्री, पंजीकरण, योग्यता और अस्पताल में होने वाली चिकित्सा गतिविधियों की गहन जांच कराने की मांग की है। अहीद खां ने अधिकारियों से दो टूक कहा है कि मामले को महज कागजी शिकायत तक सीमित न रखा जाए, बल्कि मौके पर जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाज के नाम पर मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा है तो ऐसे मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।शिकायत सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि निजी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा और चिकित्सकों की योग्यता की नियमित जांच बेहद जरूरी है।

आरकेजीआईटी में तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ

शिक्षा के साथ कौशल, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाज़ियाबाद। नवप्रवेशित विद्यार्थियों के नए अकादमिक सफर की शुरूआत करते हुए राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरकेजीआईटी), गाज़ियाबाद में तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। 20 से 22 अगस्त तक आयोजित कार्यक्रम में एमबीए, एमसीए, बीटेक, बीफार्मा, बीबीए एवं बीसीए के नवप्रवेशित विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, सुविधाओं, संस्कृति एवं करियर अवसरों से परिचित कराना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त राजनयिक (आईएफएस) दीपक वोहरा रहे। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी.के. चौहान, डायरेक्टर डॉ. बी.सी. शर्मा एवं डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर एच.जी. गर्ग सहित विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि दीपक वोहरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वैश्विक दृष्टिकोण, नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने तथा बदलते वैश्विक परिदृश्य में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए स्वयं को तैयार करने का आह्वान किया। वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आरकेजीआईटी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए अनुशासन, मेहनत एवं सकारात्मक सोच को विद्यार्थी जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। डायरेक्टर डॉ. बी.सी. शर्मा ने कहा कि ओरिएंटेशन विद्यार्थियों के अकादमिक सफर की महत्वपूर्ण शुरूआत है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर एच.जी. गर्ग ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया।प्रथम दिन विद्यार्थियों को शैक्षणिक व्यवस्था, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट, तकनीकी एवं सांस्कृतिक क्लबों, खेल तथा छात्र कल्याण सुविधाओं की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने करियर निर्माण, कौशल विकास, उद्योग की आवश्यकताओं एवं रोजगार अवसरों पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए। आयोजकों के अनुसार, आगामी दो दिनों में इंडस्ट्री एक्सपोजर, नवाचार एवं उद्यमिता, करियर एवं प्लेसमेंट तथा व्यक्तित्व विकास से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम का समापन 22 अगस्त को होगा।

मोदीनगर कांग्रेस कार्यालय पर धूमधाम से मनाई राजीव जयंती

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शहर कांग्रेस कमेटी ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय मोदीनगर पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आधुनिक कंप्यूटर क्रांति के जनक ,युवाओं के हृदय सम्राट, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को स्मरण करते हुए पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी देश में कंप्यूटर क्रांति के जनक और नवोदय विद्यालय के निर्माण से गरीब और ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए एक नई शुरूआत की थी। जिसे एक देश एक शिक्षा की तरफ एक महत्वपूर्ण कदम माना गया शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सैन ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी मैं देश में पंचायती राज व्यवस्था लागू कर देश में पूर्ण स्वराज का रास्ता तैयार किया युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार राजीव गांधी जी की ही देन थी इस अवसर पर मुख्य रूप से चांद वीर चौधरी राकेश सोनी अभिनव शर्मा जहूर अहमद संदीप त्यागी बबली शर्मा संजय शर्मा अरविंद फकीरचंद कश्यप आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

समाजसेवी चौधरी सुखबीर सिंह के निधन पर लोगों ने शोक संतृप्त परिवार को दी सांत्वना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी एवं रालोद के युवा नेता योगेश फफराना के पूज्य पिताजी समाज सेवी चौधरी सुखबीर सिंह के निधन पर रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना दी है। इसके अलावा रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के सलाहकार वीरपाल मालिक, सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, विधायक डॉ. मंजू शिवाच, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, पूर्व पालिका अध्यक्ष राम आसरे शर्मा, पूर्व विधायक मास्टर राजपाल सिंह, रालोद सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरजीत बिडडी, अजय प्रमुख, रालोद के जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी,पूर्व अध्यक्ष अमित सरना, रणबीर दहिया, निवाड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, पतला नगर पंचायत अध्यक्ष पति देवेंद्र चौधरी आदि गणमान्य, सामाजिक एवं राजनीतिक लोगों ने शोकाकुल परिवार एवं परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं तथा इस कठिन दुःख की घड़ी में उनके साथ खड़े होकर शोक साझा किया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति एवं धैर्य प्रदान करें।

उमरा करके लौटे लोगों का रणवीर दहिया ने किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवाल खास विधान सभा क्षेत्र के खिवाई ग्राम में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया ने उमरा करके लौटे शेरू प्रधान, आस मोहम्मद मुशर्रफ शाकिर शहाबुद्दीन का उनके आवास पर जाकर फूल मालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर रालोद के रवि भारत चिकारा, प्रदेश सचिव डा० देव गौतम मीरपुर, इस्लाम, तसबुर अली, जबार,जीशान, सत्तार,सलीम, फरमूद,राशिद, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बिजली की समस्याओं को लेकर तलहेटा बिजली घर पर लोगों ने दिया धरना, ज्ञापन सोफा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्रामीण क्षेत्र के लोग बिजली की समस्याओं के समाधान के लिए तलहेटा बिजली घर पर भारी संख्या में पहुंचे और धरना दिया ज्ञापन सौपा। क्षेत्रवासी मुरादाबाद भटजन तलहेटा भूडगडी के लोग शामिल थे। लोगों का कहना था कि तलहेटा बिजली घर पर बार-बार 33 केवीए का फेल हो जाना बार-बार लाइन ट्रिप होना बार-बार मशीन अंदर की सब खराब बताना और कई जगह खेतों में 11000 की लाइन है नीचे होना ट्रांसफार्मर नहीं बदला जाना बहुत सारी समस्याओं को लेकर क्षेत्रवासी इकट्ठा हुए।

जे ई दानिश अली बिजली घर पर पहुंचे और यह कहकर क्षेत्रवासियों को बहकाने लगे कि मैंने लिख कर दिया हुआ है। मैं तीन बार लिख कर दे चुका हूं। सभी समस्याओं से अवगत कर रखा है। क्षेत्रवासी एस डी ओ साहब को बुलाने की मांग पर अड गए करीब 2:00 बजे एसडीओ साहब पुष्पेंद्र मोदीनगर से तलहेटा बिजली घर पर पहुंचे वहां कुलदीप त्यागी उपाध्यक्ष मेरठ मंडल भारतीय किसान यूनियन ने वार्ता करके सभी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने मौके पर ही जे ई से सभी समस्याओं का संज्ञान लिया और कार्रवाई का हवाला देते हुए तुरंत समस्याओं को हल करने के लिए कहा। इस मौके पर सेवक राम त्यागी शेखर त्यागी लाल नरेंद्र मुकेश शशांक गौरव राजेंद्र सुभाष दीपक विकी देवानंद कलवा राम किशोर मुंशी राहुल आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस से मुठभेड़ में पैर में लगी गोली, मोबाइल लूट का आरोपी दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सिहानी गेट थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पूछताछ में आरोपी ने करीब एक माह पहले आंबेडकर रोड पर एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीनने की घटना में शामिल होना स्वीकार किया है।पुलिस ने मौके से सफेद रंग की स्कूटी, तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, सिहानी गेट थाना पुलिस बुधवार देर रात क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रही थी।इसी दौरान सफेद रंग की स्कूटी पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए स्कूटी सवार युवकों को रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों ने रुकने के बजाय स्कूटी मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया तो दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा, जबकि उसका साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने घेराबंदी कर घायल बदमाश को हिरासत में ले लिया। पुलिस की पूछताछ में घायल बदमाश की पहचान शादाब उर्फ शाहरुख के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान उसने अपने फरार साथी का नाम समीर बताया। पुलिस के मुताबिक शादाब ने करीब एक माह पहले आंबेडकर रोड पर एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीनने की घटना में शामिल होने की बात भी बताई है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल की जांच करते हुए सफेद स्कूटी, तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई, जिसमें दोनों के खिलाफ पूर्व में मुकदमे दर्ज होने की बात सामने आई है।

अखिल भारतीय साहित्य मंच द्वारा गीतों भरी शाम,शहीदों के नाम काव्य संध्या का आयोजन

=अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतीय साहित्य मंच, मोदीनगर की साहित्यिक संस्था द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ₹गीतों भरी शाम, शहीदों के नाम₹ काव्य संध्या का कवि एवं कवयित्रियों द्वारा भव्य आयोजन किया गया। मोदीनगर के कवियों द्वारा देश भक्ति, देश प्रेम, की जोश भरी रचनाएं सुनाते हुए मनाया गया। मां सरस्वती के समक्ष सर्व प्रथम माल्यार्पण , दीप प्रज्वलन डॉ. श्रद्धानंद शर्मा एवं प्रवीण बंसल संघी ने किया। सभी कवि एवं कवयित्रियों तथा नगर के विशिष्ट अतिथियों द्वारा अमर शहीदों के निमित्त पुष्पांजलि अर्पित की गयीं।

पं. ब्रज नंदन पचौरी द्वारा मां सरस्वती जी का श्लोक वाचन और फिर श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा मां वाणी की वंदना के के स्वर सभागार में गूंजते रहे। मेरठ के युवा कवि गुलाब सिंह गुलाब की रचना की बानगी-- पुष्प उनके लिए पथ दिखा जो गए,बनके सूरज अन्धेरा मिटा जो गए। गाज़ियाबाद के गीतकार वी.के. वर्मा तथा सरदार रजिन्द्र सिंह ने देश भक्ति के जोशीली कविता पढ़कर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

डॉ. भूपेंद्र कुमार त्यागी प्राकृतिक चिकित्सक ने अपने मन की बात कुछ इस तरह प्रकट की। रवींद्र शर्मा रवि ने अपनी पुरानी लीक पर कायम रहते हुए पढ़ा।श्रीमती सोम प्रभा शर्मा की भाव पंक्तियाँ-सीमा पर हुए शहीदों को, मैं अंतिम नमन लिखूं कैसे? हृदय विदीर्ण हो जाता है, वो श्रद्धा सुमन चुनूँ कैसे? की मुक्त कंठ से सराहना की गई।

इसी श्रृंखला में युवा कवयित्री पूर्णिमा संघी बंसल 'इमा' ने देश की माटी का वंदन,अभिनंदन किया।' मेरे देश की माटी चंदन, नमन करूँ मैं करूं अभिनंदन। कवि: देवी शरण 'पश्यक' ने जन मानस को ज्ञान कराते हुए पढा। काव्यमय संचालन करते हुए पं. ब्रजनंदन पचौरी ने तिरंगे की पहचान कुछ इस तरह वर्णित की।

देश के अमर शहीदों को नमन करते हुए कवि:दरयाब सिंह राजपूत 'ब्रजकण' ने अंत में पढ़ा- आन-बान-शान मन प्रान है तिरंगा प्यारा फरर-फरर फहरान को नमन है। इस रचना पर सभागार में देर तक तालियां बजती रहीं।

अखिल भारतीय साहित्य मंच, मोदीनगर के महासचिव रवीन्द्र कुमार शर्मा की सद् पुस्तक ₹मेरी अनुभूतियां₹ काव्य संग्रह संस्थापक दरयाब सिंह राजपूत 'ब्रजकण' को सादर भेंट की। मंच के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित कवि रवीन्द्र शर्मा को सभी ने इस सुकृत्य हेतु बधाईयां दीं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ श्रद्धानंद शर्मा, मुख्य अतिथि प्रवीण बंसल संघी, के अतिरिक्त नगर के गणमान्य जन धनेश त्यागी, नरेश शर्मा योगाचार्य, ब्रज किशोर गुप्ता, राजेश सिंघल, रतन सिंह, शुभम कुमार आदि की उपस्थिती अंत तक बनी रही। इस कार्यक्रम का काव्यमय संचालन गाज़ियाबाद से पधारे पं. ब्रजनंदन पचौरी जी ने किया।

बिजली समस्याओं पर विधायक संजीव शर्मा सख्त, अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर विधानसभा क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने और स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर विधायक संजीव शर्मा की अध्यक्षता में सिद्धार्थ विहार स्थित आवास पर हाइडल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र में बिजली आपूर्ति, जर्जर विद्युत लाइनों, खराब एवं पुराने ट्रांसफार्मरों, विद्युत पोल तथा अन्य स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ने अधिकारियों से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था की स्थिति की जानकारी लेते हुए समस्याओं के समाधान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों को निर्बाध और सुचारु विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। बिजली से जुड़ी शिकायतों के समाधान में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों या पोल से संबंधित समस्याएं सामने आ रही हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में हाइडल के चीफ इंजीनियर पवन अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता एके सिंह, एसडीओ बहरामपुर ललितेश यादव और जेई बीके शर्मा मौजूद रहे। अधिकारियों ने विधायक को क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था से संबंधित समस्याओं की जानकारी दी और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस मुठभेड़ में हत्या का वांछित आरोपी गिरफ्तार, आलाकत्ल चाकू व तमंचा बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने विक्रम एनक्लेव में हुई चाकूबाजी के बाद हत्या के मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी समीर उर्फ गट्टू को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी है।

पुलिस के अनुसार 19 अगस्त को विक्रम एनक्लेव निवासी 23 वर्षीय मुश्ताक पर समीर ने चाकू से हमला किया था।

उपचार के दौरान राजीव गांधी अस्पताल में मुश्ताक की मौत हो गई थी। बुधवार को डीएवी कट पर चेकिंग के दौरान आरोपी को बाइक समेत रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भागने लगा। पीछा करने पर बाइक कूड़े के ढेर से टकराकर गिर गई। आरोप है कि आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में वह घायल हो गया।

तलाशी में .315 बोर तमंचा, कारतूस, खोखा, आलाकत्ल चाकू और चोरी की बाइक बरामद हुई। आरोपी को उपचार के लिए एमएमजी अस्पताल भेजा गया है।

वर्षों के कूड़े के ढेर से मिजार्पुर को मिली मुक्ति, सफाई के बाद विधायक ने कराया पौधारोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वार्ड नंबर 48 के मिजार्पुर स्थित डबल टंकी पार्क के बाहर वर्षों से जमा कूड़े के ढेर से आखिरकार स्थानीय लोगों को राहत मिल गई। लंबे समय से सड़क किनारे फैली गंदगी और दुर्गंध के कारण परेशान क्षेत्रवासियों की समस्या का संज्ञान लेते हुए शहर विधायक संजीव शर्मा मौके पर पहुंचे। नगर निगम के सहयोग से यहां बड़े पैमाने पर सफाई कराकर कूड़े के ढेर को हटाया गया। इसके बाद कई डंपरों के माध्यम से मिट्टी डलवाकर स्थान को समतल कराया गया। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि जनता की समस्या को अपनी समस्या समझकर उसका समाधान कराना जनप्रतिनिधि का दायित्व है। क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास केवल सड़क और नाली निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर जीवनशैली उपलब्ध कराना भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए नगर निगम के साथ मिलकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जहां वर्षों से समस्याएं बनी हुई हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान कराया जाएगा। विधायक ने सफाई अभियान को केवल कूड़ा हटाने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि साफ किए गए स्थान पर पौधारोपण भी कराया। इससे क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी पहल हुई। आने वाले समय में पौधों के विकसित होने से क्षेत्र में हरियाली बढे और वातावरण बेहतर होने की उम्मीद है। वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्रासिंग मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, पार्षद पूनम सिंह, देवेंद्र चौधरी, भोजपुरी नवयुवक समिति के अध्यक्ष अनिल सिंह, आरके आर्य, रनिता सिंह, अरुण सहित अनेक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय निवासी मौजूद रहे।

मधुबन-बापूधाम में 350 भूखण्डों की ई-लॉटरी सम्पन्न, 40 से 200 वर्गमीटर तक के प्लॉटों का हुआ आवंटन

दो दिवसीय प्रक्रिया में 350 परिवारों के 'अपने घर' के सपने को मिला नया आधार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश शासन के मार्गदर्शन में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना के अंतर्गत 350 आवासीय भूखण्डों की ई-लॉटरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न कराई। दो दिनों तक चली इस प्रक्रिया में 40 वर्गमीटर से 200 वर्गमीटर तक के भूखण्डों का आवंटन किया गया।

योजना के तहत 19 अगस्त को टाइप-ए, बी, सी एवं डी श्रेणी के 109 भूखण्डों की ई-लॉटरी सम्पन्न हुई, जबकि 20 अगस्त को टाइप-ई, एफ, जी एवं एच श्रेणी के 241 भूखण्डों का आवंटन किया गया। इस प्रकार दो दिवसीय ई-लॉटरी प्रक्रिया में कुल 350 आवासीय भूखण्ड सफल आवेदकों को आवंटित किए गए।

ई-लॉटरी के सफल आयोजन से आवास पाने की प्रतीक्षा कर रहे सैकड़ों परिवारों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। प्राधिकरण की यह पहल केवल भूखण्ड आवंटन तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन के 'अपने घर' के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तर प्रदेश शासन के मार्गदर्शन में जीडीए द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से आवासीय सुविधाओं का विस्तार करते हुए आमजन को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं।

पढ़ेगा गाजियाबाद, बढ़ेगा गाजियाबाद: आधुनिक सुविधाओं से सजी नवीनीकृत लाइब्रेरी का उद्घाटन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शहर में शिक्षा और पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगर निगम द्वारा नवीनीकृत लाइब्रेरी का उद्घाटन महापौर एवं नगर आयुक्त ने किया। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह लाइब्रेरी विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और पुस्तक प्रेमियों के लिए ज्ञान का नया केंद्र बनेगी।

लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों की पुस्तकों के साथ बेहतर बैठने की व्यवस्था, कंप्यूटर रूम, एयर-कंडीशंड परिसर, CCTV सुरक्षा, रिसेप्शन तथा स्वच्छ शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। महापौर एवं नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराना और युवाओं में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना है। यह पहल ज्ञान, सुविधा और बेहतर भविष्य की दिशा में गाजियाबाद के बढ़ते कदम को दर्शाती है।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे बदमाश को लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना सिहानी गेट पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर भाग रहे एक बदमाश को मुठभेड़ में घायल कर दिया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान शादाब उर्फ शाहरुख के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को चेकिंग के दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि सफेद रंग की स्कूटी पर सवार दो युवक किसी वारदात को अंजाम देने निकले हैं। पुलिस ने स्कूटी सवारों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे भागने लगे और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में शादाब के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी समीर फरार हो गया। मौके से एक तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस और सफेद स्कूटी बरामद हुई है। घायल को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश और दोनों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

ऑपरेशन प्रहार' में ट्रॉनिका सिटी पुलिस की कार्रवाई, गांजा तस्कर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने ह्लऑपरेशन प्रहारह्व के तहत चेकिंग के दौरान गांजा तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.300 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को थाना ट्रॉनिका सिटी पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर बिटौरा मोड़ के पास से शनि उर्फ शन्नी उर्फ बल्लू पुत्र राधेलाल, निवासी सिल्वर सिटी, पावी, थाना ट्रॉनिका सिटी, उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से कुल 1.300 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना ट्रॉनिका सिटी में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ गाजियाबाद में अब सीधे शिकायत की सुविधा

इंद्रेश शर्मा

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। सरकारी काम के एवज में रिश्वत मांगने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत करने के लिए अब गाजियाबाद में लोगों को लखनऊ या मेरठ जाने की जरूरत नहीं होगी। भ्रष्टाचार निवारण संगठन, उत्तर प्रदेश की अभिसूचना इकाई गाजियाबाद का कार्यालय पुलिस लाइन गाजियाबाद में संचालित है। यहां आम लोग सरकारी कार्य के बदले रिश्वत मांगने, भ्रष्टाचार की शिकायत या भ्रष्टाचार से जुड़ी किसी भी सूचना को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा सकते हैं। इसके लिए शिकायतकर्ता पुलिस लाइन गाजियाबाद स्थित कार्यालय में पहुंचकर संपर्क कर सकता है। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, रिश्वत मांगने या भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत के लिए संपर्क सूत्र उपनिरीक्षक कृष्णपाल सिंह - 9457886665, 8266069096 तथा अजय कुमार - 8737035178 दिए गए हैं। जितेंद्र सिरोही 8218848218 भ्रष्टाचार निवारण संगठन का उद्देश्य सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाना और रिश्वतखोरी से संबंधित शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई करना है। संगठन की अभिसूचना इकाई गाजियाबाद के कार्यालय का उद्घाटन 24 नवंबर 2025 को किया गया था। विभाग की अपील है कि सरकारी कार्य के एवज में रिश्वत मांगे जाने की स्थिति में लोग इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दें और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग करें।

स्कूल वाहनों की सघन जांच, बच्चों की सुरक्षा पर परिवहन विभाग का फोकस

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। परिवहन विभाग ने ह्लमिशन सेफ फ्यूचर 2.0ह्व अभियान के तहत गाजियाबाद और हापुड़ में विद्यालयीन वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी है। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. सियाराम वर्मा ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर वाहनों की फिटनेस, सुरक्षा उपकरणों और निर्धारित मानकों का स्थलीय सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने और क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाने के निर्देश दिए गए। विद्यालय प्रबंधन को भी केवल फिटनेस प्रमाणित एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप वाहनों का संचालन सुनिश्चित करने को कहा गया। डॉ. सियाराम वर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षित यात्रा परिवहन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़कर बनाया जाएगा आत्मनिर्भर : कुमार सौरभ

विकास भवन में 31 आवेदकों का साक्षात्कार, विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में गुरुवार को विकास भवन में दिव्यांगजन ऋण योजना के तहत आवेदन करने वाले 31 दिव्यांगजनों का साक्षात्कार आयोजित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने आवेदकों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनके प्रस्तावित व्यवसाय, रोजगार संबंधी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की दुकान निर्माण एवं संचालन योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को खोखा या गुमटी स्थापित कर स्वरोजगार शुरू करने के लिए 10 से 20 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता अथवा ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

कुमार सौरभ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों को केवल एक योजना तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनकी योग्यता और रुचि के अनुसार पशुपालन, डूडा, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र की योजनाओं से भी जोड़ा जाए। पात्र लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना की जानकारी देकर आवेदन व बैंक ऋण में सहयोग करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने दिव्यांग महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों और अन्य पात्र दिव्यांगजनों को समूह आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया।

बैठक में जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रशांत, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अंशुल चौहान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शराब के नशे में दोस्त ने डंडे से किया हमला, अस्पताल पहुंचते ही व्यक्ति की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में शराब पीने के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गढ़ी कटिया अंडरपास के पास कचौड़ी-ब्रेड पकौड़े की दुकान पर साथ काम करने वाले दो कर्मचारियों के बीच बुधवार देर रात शराब पीने के दौरान गाली-गलौज और विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के बाद एक कर्मचारी ने दूसरे के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को दुकान मालिक अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान दिलीप कुमार (50) के रूप में हुई है। दिलीप कुमार गढ़ी कटिया अंडरपास के पास रोहित चौधरी पुत्र किरणपाल चौधरी निवासी रामपार्क की कचौड़ी-ब्रेड पकौड़े की दुकान पर काम करता था। उसके साथ नरेंद्र पुत्र रामदीन निवासी कस्बा तिलहर, जनपद शाहजहांपुर सहित अन्य कर्मचारी भी काम करते हैं। बताया गया कि बुधवार रात दुकान बंद करने के बाद दिलीप और नरेंद्र वहीं शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़े पर दोनों में गाली-गलौज होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान नरेंद्र ने डंडे से दिलीप के साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गया। मारपीट की जानकारी मिलने पर दुकान मालिक रोहित चौधरी मौके पर पहुंचा। घायल दिलीप को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। गुरुवार सुबह करीब तीन बजे पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली कि एक व्यक्ति को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद दिलीप को मृत घोषित कर दिया। दुकान मालिक रोहित चौधरी ने पुलिस को बताया कि दिलीप करीब 15 दिन पहले ही उसकी दुकान पर काम करने आया था

भूमाफियाओं पर डीएम का शिकंजा

जनसुनवाई में त्वरित निस्तारण के आदेश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। भूमि कब्जा और अवैध अतिक्रमण की शिकायतों पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमाफियाओं को किसी भी स्थिति में बख्शा न जाए। जनसुनवाई में राजस्व विवाद, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति और अन्य समस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र पहुंचे। डीएम ने कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों से संपर्क कर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल कागजी निस्तारण नहीं, बल्कि आमजन की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान होना चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध कब्जा करने और लोगों का उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही निस्तारित मामलों की नियमित समीक्षा कर यह भी सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

विभागीय योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता : नरेंद्र कश्यप

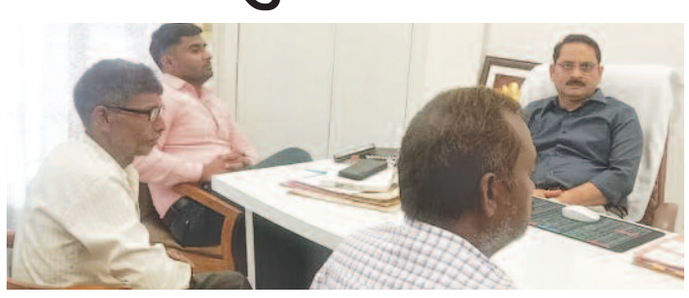

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नरेंद्र कश्यप ने बुधवार को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजनाओं की वर्चुअल समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रमुख सचिव श्री राजेश कुमार सिंह, निदेशक श्री उमेश प्रताप सिंह सहित सभी मंडलीय उपनिदेशक एवं जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी जुड़े। राज्यमंत्री ने विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर उन्हें जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही शादी अनुदान योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के शीघ्र चयन एवं उन्हें समयबद्ध रूप से लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभिन्न जिलों के नए शादी अनुदान लाभार्थी भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। गाजियाबाद के तीन लाभार्थियों ने भी सहभागिता की, जिन्हें बैठक के उपरांत अनुदान प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।